mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-06 अंक-142 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
24 मई 2026 रविवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

# बांग्लादेश के दो पोर्ट अमेरिका इस्तेमाल करेगा

## इनमें से एक अंडमान से सिर्फ 1100किमी. दूर; सीक्रेट जानकारी शेयर करने का भी समझौता

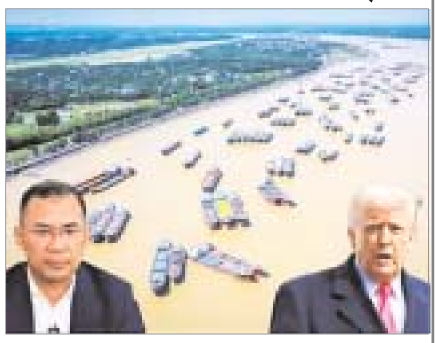

**ढाका, एजेंसी।** बांग्लादेश ने अमेरिका को दो महत्वपूर्ण बंदरगाहों के इस्तेमाल की इजाजत देने का फैसला किया है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सीक्रेट जानकारी शेयर करने को लेकर भी समझौता हुआ है।रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और बांग्लादेश के बीच कुल तीन बड़े समझौते हुए हैं। इन समझौतों के बाद बंगाल के खाड़ी रीजन में अमेरिका की मौजूदगी और प्रभाव काफी बढ़ सकता है।अमेरिका को बांग्लादेश के चिटगांव और मतारबाड़ी बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी। इन बंदरगाहों का इस्तेमाल अमेरिकी नौसेना और सैन्य जहाज कर सकेंगे।इससे अमेरिका को हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में अपनी सैन्य और रणनीतिक ताकत बढ़ाने में मदद मिलेगी। चिटगांव बंदरगाह भारत के अंडमान-निकोबार क्षेत्र से सिर्फ 1100 किमी दूर है।

# नागालैंड पुलिस की अपील: भड़काऊ सोशल मीडिया पोस्टों से बचें; राज्य में न फैलने दें मणिपुर हिंसा का असर

**कोहिमा, एजेंसी।** पड़ोसी राज्य मणिपुर में बिगड़ती कानून-व्यवस्था और वहां भड़की जातीय हिंसा की चिंगारी नागालैंड तक पहुंचने की आशंका गहराने लगी है। इस नाजुक मोड़ पर नागालैंड पुलिस ने राज्य के नागरिकों से शांति, सांप्रदायिक सौहार्द और अत्यधिक सतर्कता बरतने की पुरजोर अपील की है। नागालैंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रूपिन शर्मा ने जनता से बेहद जिम्मेदारी से व्यवहार करने का आग्रह किया है। उन्होंने साफ कहा कि लोग किसी भी असत्यापित जानकारी, अफवाहों या भड़काऊ सोशल मीडिया सामग्री को आगे शेयर या फॉरवर्ड न करें। ऐसी हरकतें समाज में भय, गलतफहमी और सांप्रदायिक तनाव पैदा कर सकती हैं।

**फेक न्यूज और सोशल मीडिया पर कड़ा पहरा**

शुक्रवार को जारी आधिकारिक अपील में पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए झूठे और भ्रामक आख्यानों के प्रसार को लेकर गंभीर चेतावनी दी। पुलिस का कहना है कि आज के एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले दौर में फर्जी खबरें बनाना और उन्हें फैलाना पहले से कहीं ज्यादा आसान और खतरनाक हो चुका है।

# तमिलनाडु सीएम विजय के काफिले के लिए अलग लेन

## केरलम में आशा वर्करों की सैलरी 3 हजार बढ़ाई; नई सरकार वाले 3 राज्यों में बदलाव

**तिरुवनंतपुरम/चेन्नई, एजेंसी।** बंगाल से तमिलनाडु और केरलम तक नई सरकारों ने सत्ता संभालते ही प्रशासनिक और सियासी, दोनों स्तरों पर खुद को अलग दिखाने की कोशिश शुरू कर दी है। तमिलनाडु के सीएम विजय ने शुरुआती 12 दिन में अपने काफिले के लिए ट्रैफिक न रोकने का आदेश दिया है। महिला सुरक्षा के लिए 'सिंगप्पेन फोर्स' शुरू की है। सरकार ने हर थाने में 24 घंटे सीसीटीवी चालू रखने का निर्देश दिया है। शिकायत दर्ज कराने की वीडियो रिकॉर्डिंग होगी। इसके साथ ही 21 साल से कम उम्र वालों को शराब बेचने पर सख्त कार्रवाई होगी।

केरलम में यूडीएफ की वीडी सतीशन सरकार ने सचिवालय व मंत्रियों के आवासों तक आम लोगों की पहुंच आसान कर दी। मंत्रियों को ऑफिस और घर दोनों जगह लोगों से मिलना होगा।

वहीं पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार के मुखिया शुभेंदु अधिकारी ने भी पुलिस को निर्देश दिया है कि उनके काफिले के लिए आम वाहनों को न रोका जाए। शुभेंदु ने 9 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

### 51 हजार युवाओं को मिली सरकारी नौकरी की सौगात

# पीएम बोले:अब आप देश की विकास यात्रा में शामिल; 12.50 लाख से ज्यादा को मिल चुकी नौकरी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देशभर के हजारों युवाओं के लिए शनिवार का दिन खुशियों की सौगात लेकर आया. 19वें रोजगार मेले में 51 हजार से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र मिले. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इन युवाओं को बधाई दी और कहा कि आज पूरी दुनिया भारत के युवाओं और देश की तकनीकी ताकत को नए नजरिए से देख रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि नौकरी पाने वाले ये युवा सिर्फ अपने करियर की शुरुआत नहीं कर रहे हैं, बल्कि देश की विकास यात्रा के अहम साथी भी बन रहे हैं. उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले वर्षों में यही युवा विकसित भारत के सपने को साकार करने में बड़ी भूमिका निभाएंगे. अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं की मेहनत की सराहना की. उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरी हासिल करने के लिए लंबे समय तक तैयारी करनी पड़ती है और इसके पीछे परिवार का भी बड़ा योगदान होता है।

**47 स्थानों पर आयोजित हुआ रोजगार मेला :**

19वां रोजगार मेला देशभर के 47 अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किया गया. इस दौरान विभिन्न राज्यों और शहरों से चुने गए युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए।

उन्होंने कहा कि जब कोई युवा सफलता हासिल करता है, तो उस में सिर्फ उसकी मेहनत ही नहीं बल्कि माता-पिता, परिवार और पूरे समाज का सहयोग भी शामिल होता है. देश के 140 करोड़ नागरिक भी किसी न किसी रूप में उस सफलता के भागीदार होते हैं. प्रधानमंत्री ने सभी चयनित युवाओं और उनके परिवारों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि यह सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि देश सेवा का अवसर भी है ।

**विदेश दौरे का युवाओं को मिलेगा फायदा :**

प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में खत्म हुए अपने पांच देशों के दौरे का भी जिक्र किया. उन्होंने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात (UAE), नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली की यात्रा के दौरान उन्होंने कई बड़ी कंपनियों और देशों के नेताओं से मुलाकात की।

उन्होंने कहा कि जहां भी वे गए, वहां भारत के युवाओं को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला. दुनिया भारत की तकनीकी प्रगति और युवा शक्ति से प्रभावित है और भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है. प्रधानमंत्री के मुताबिक भारत अलग-अलग देशों के साथ जो साझेदारी कर रहा है, उसका सबसे बड़ा उद्देश्य युवाओं को नए अवसर, रोजगार, आत्मविश्वास और अंतरराष्ट्रीय अनुभव उपलब्ध कराना है।

# दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के

## यूपी के बांदा में पारा 47.6 डिग्री, म.प्र.-राजस्थान समेत 11 राज्यों में 40डिग्री से 47 डिग्री; 2 दिन राहत नहीं

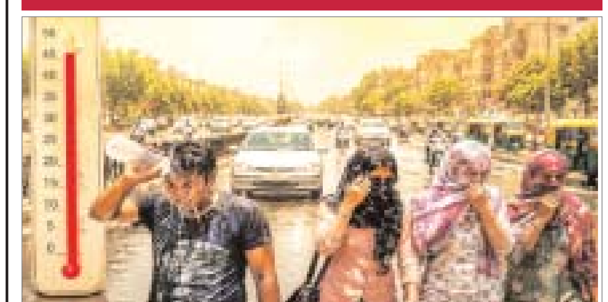

**नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ, एजेंसी।** देश को अगले 2 दिन तक गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। शुक्रवार को मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान समेत उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के 11 राज्यों में तापमान 40डिग्री से 47 डिग्री के बीच रहा।

इन 11 राज्यों में हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है। सबसे ज्यादा तापमान यूपी के बांदा में 47.6डिग्री और एमपी के नौगांव में 46.8डिग्री रहा।

**दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों में सभी भारत के:**देश में शुक्रवार सुबह असामान्य रिकॉर्ड दर्ज किया गया। दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की लिस्ट में सभी शहर भारत के रहे। उत्तर प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, हरियाणा के कई शहर दोपहर से पहले ही 42 से 44डिग्री तक पहुंच गए। अकेले उत्तर प्रदेश के 22 शहर गर्म शहरों की लिस्ट में थे।

# अमरनाथ से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर आई

## पवित्र गुफा में 6-7 फीट का शिवलिंग बना, यात्रा 3 जुलाई से; बीएसएफ जवानों ने दर्शन किए

**श्रीनगर, एजेंसी।** अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को बर्फ से बने शिवलिंग (बाबा बर्फानी) की पहली तस्वीरें सामने आ गई हैं। तस्वीरों में दिख रहा है कि 6 से 7 फीट का शिवलिंग अपना आकार ले चुका है।

इस दौरान सुरक्षा के लिए तैनात जवानों ने सबसे पहले शिवलिंग के दर्शन भी किए। अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 9 अगस्त 2026 तक चलेगी।

**अमरनाथ यात्रा के लिए 3.6 लाख से ज्यादा रजिस्ट्रेशन**

इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक 3.6 लाख से ज्यादा श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। यात्रा मार्ग पर कई जगह अब भी 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी है, लेकिन सीमा सड़क संगठन (BRO) दोनों रास्तों पर तेजी से ट्रैक बहाल करने में जुटा है। अधिकारियों का दावा है कि 15 जून तक दोनों रास्ते पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे।

यात्रा 3 जुलाई से बालटाल-सोनमर्ग और पारंपरिक नुनवान-पहलगाम मार्ग से शुरू होगी। 57 दिन की यह यात्रा 28 अगस्त को रक्षा बंधन और सावन पूर्णिमा के दिन संपन्न होगी। रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू हुए थे।

**5 से 30 लोगों के ग्रुप के लिए रजिस्ट्रेशन बंद**

5 से 30 लोगों के ग्रुप में यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए रजिस्ट्रेशन बुधवार को बंद हो गए। हालांकि, अकेले या छोटे ग्रुप में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्लॉट खाली रहने तक रजिस्ट्रेशन जारी रहेंगे।

रजिस्ट्रेशन पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक की तय शाखाओं के जरिए हो रहा है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस साल यह संख्या 5 लाख के पार जा सकती है। 2025 में 4.14 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे, जबकि 2024 में यह आंकड़ा 5.10 लाख से ज्यादा था।

# एनआईए चार्जशीट में खुलासा- लश्कर ने करवाया था पहलगाम हमला

## पाकिस्तान के कसूर में रहता है मास्टरमाइंड साजिद जट्ट; 2019 में द रेजिस्टेंस फ्रंट बनाया था

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ था। यह खुलासा नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) की चार्जशीट में हुआ है। हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा आतंकी सैफुल्लाह उर्फ सैफुल्लाह साजिद जट्ट उर्फ लंगड़ा था।

साजिद, पाकिस्तान के लाहौर में कसूर में रहता है। साजिद जट्ट ही आतंकियों का मेन हैंडलर था। हमले के दौरान उसने तीनों आतंकियों से लगातार संपर्क बनाए रखा। वह उन्हें रियल टाइम डायरेक्शन दे रहा था। उसने ही हमले वाली जगह बैसरन वैली की लोकेशन भेजी थी।हमले के दौरान भी वह लगातार आतंकियों से बात कर रहा था। 15 दिसंबर 2025 को दाखिल चार्जशीट की डिटेल्स अब सामने आई हैं।

22 अप्रैल 2025 को पहलगाम से 6किमी. दूर बैसरन घाटी में आतंकी हमले में 26 टूरिस्ट्स की मौत हुई थी। 16 लोग घायल हुए थे। लोगों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर निशाना बनाया गया था।

**जेड मोड़ टनल पर हमले में भी शामिल**

साजिद, 2005 में वह बॉर्डर क्रॉस करके दक्षिण कश्मीर के कुलगाम में घुसा था। पैर में गोली लगने के कारण साजिद नकली पैर लगाता है। इसलिए उसे लंगड़ा कहा जाता है। उस पर भर्ती, फंडिंग, घुसपैठ और आतंकियों को लॉजिस्टिक सपोर्ट देने के आरोप हैं। 2019 में साजिद जट्ट लंगड़ा ने ही लश्कर के प्रॉक्सी द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को खड़ा किया था। उसे जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों का हैंडलर और ऑपरेशनल कमांडर माना जाता है।

### 'पिछली सरकार के घोटालों से बदनाम हुआ बंगाल'

## सीएम शुभेंदु अधिकारी बोले-युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ मंजूर नहीं

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि राज्य पिछले तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान हुए विभिन्न भर्ती घोटालों के कारण बदनाम हुआ है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अब राज्य को इस निराशाजनक स्थिति से बाहर निकालने की सख्त जरूरत है। रोजगार मेले को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय को पिछली सरकार की अवैधताओं में हस्तक्षेप करना पड़ा। इन घोटालों से पश्चिम बंगाल की छवि को भारी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'हमें अपने प्रिय पश्चिम बंगाल को इस दलदल से बाहर निकालना ही होगा।'

# चीन की कोयला खदान में ब्लास्ट, 90 लोगों की मौत

## 247 मजदूर काम कर रहे थे; जिनपिंग बोले- गुनहगारों को नहीं छोड़ेंगे

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन के शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा चीन में पिछले एक दशक का सबसे बड़ा कोयला खदान हादसा माना जा रहा है।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक विस्फोट शुक्रवार को शांक्सी प्रांत के किनयुआन काउंटी में हुआ। यह इलाका बीजिंग से करीब 520 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। हादसे से पहले खदान में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का अलर्ट जारी किया गया था। इसके कुछ समय बाद जोरदार विस्फोट हुआ। जिस समय धमाका हुआ, उस वक्त खदान के अंदर 247 मजदूर काम कर रहे थे। अभी यह साफ नहीं है कि कितने लोग अब भी अंदर फंसे हुए हैं। राहत और बचाव अभियान जारी है।हैरानी की बात यह है कि हादसे के तुरंत बाद शिन्हुआ ने शुरुआती रिपोर्ट में सिर्फ आठ मौत की जानकारी दी थी और कहा था कि 200 से ज्यादा मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। बाद में अचानक मृतकों की संख्या बढ़कर 82 बताई गई। सरकारी मीडिया ने यह साफ नहीं किया कि आंकड़ा इतनी तेजी से कैसे बढ़ा।

### महिलाओं की गरिमा पर सुप्रीम टिप्पणी

# महिला का निजी वीडियो अपलोड करने की धमकी देना अपराध

**नई दिल्ली, एजेंसी।** महिलाओं की गरिमा, निजता और यौन स्वायत्तता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा और अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने साफ कहा कि किसी महिला के चरित्र, पवित्रता या अनैतिकता को पुराने पितृसत्तात्मक नजरिए से नहीं देखा जा सकता। कोर्ट ने कहा कि आज के समय में संविधान के मूल्यों के अनुसार महिला की गरिमा और उसकी निजी स्वतंत्रता सबसे अहम है। अदालत ने यह भी माना कि किसी महिला का निजी वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देना गंभीर अपराध है और यह उसकी इज्जत व निजता पर सीधा हमला है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

**क्या है पूरा मामला और कोर्ट ने क्या कहा?**

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह फैसला सुनाया। मामला तमिलनाडु का है। आरोपी विजय कुमार पर आरोप था कि उसने अपनी पूर्व पार्टनर का नहाते समय वीडियो बना लिया था। बाद में रिश्ता खराब होने पर उसने महिला को धमकी दी कि वह वीडियो फेसबुक पर अपलोड कर देगा। अदालत ने कहा कि इस तरह की धमकी महिला की गरिमा, निजता और यौन स्वायत्तता का उल्लंघन है। कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 506 के भाग-दो के तहत आरोपी की दोषसिद्धि को सही ठहराया। अदालत ने कहा कि किसी महिला का निजी वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देना उसके चरित्र और सम्मान पर हमला करने जैसा है।

**अनैतिकता को लेकर सुप्रीम कोर्ट की नई सोच या है?**

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि अनैतिकता या अशुद्धता जैसे शब्दों को पुराने सामाजिक नजरिए से नहीं देखा जा सकता। अदालत ने कहा कि पहले समाज महिलाओं की पवित्रता और चरित्र को केवल नैतिकता के चश्मे से देखता था, लेकिन अब संविधान महिला को गरिमा और अपनी जिंदगी से जुड़े फैसले लेने का अधिकार देता है। कोर्ट ने साफ कहा कि महिला अपनी यौन पसंद, निजी आदतों और जीवन से जुड़े फैसले खुद लेने के लिए स्वतंत्र है।

# साइबर सिटी में ड्रोन से होगा ट्रैफिक जाम का सर्वे, समस्या के वास्तविक कारणों की की जाएगी स्टडी

**गुरुग्राम, एजेंसी।** ट्रैफिक जाम से जूझ रही साइबर सिटी में ड्रोन से ट्रैफिक का सर्वे किया जाएगा। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने इसके लिए तैयारी शुरू कर दी है। शहर के प्रमुख चौराहों, व्यस्त सड़कों और जाम प्रभावित क्षेत्रों का ड्रोन के माध्यम से सर्वे कराया जाएगा। इसके जरिए ट्रैफिक मूवमेंट, वाहन दबाव और जाम के वास्तविक कारणों की स्टडी की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार ड्रोन सर्वे के दौरान सड़क पर वाहनों की संख्या, ट्रैफिक फ्लो, कट और यू-टर्न की स्थिति, सिग्नल संचालन तथा भीड़भाड़ के समय का विश्लेषण किया जाएगा।

ड्रोन से मिलने वाले रियल टाइम डेटा के आधार पर यह समझने में मदद मिलेगी कि किन स्थानों पर ट्रैफिक सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है और वहां किस प्रकार के सुधार की जरूरत है। जीएमडीए की स्टडी में खासतौर पर साइबर सिटी, गोल्फ कोर्स रोड, सोहना रोड, दिल्ली-जयपुर हाईवे, ओल्ड व न्यू रेलवे रोड, ओल्ड दिल्ली रोड और उनसे जुड़े आंतरिक मार्गों को शामिल किया जाएगा। इन क्षेत्रों में सुबह और शाम के समय भारी ट्रैफिक दबाव रहता है, जिससे लोगों को लंबे समय तक जाम में फंसना पड़ता है।

**सुधार के लिए बनेगी कार्ययोजना:** सर्वे रिपोर्ट के आधार पर ट्रैफिक सुधार के लिए शार्ट टर्म और लांग टर्म प्लान तैयार किए जाएंगे। जाम वाले प्वाइंट पर सिग्नल टाइमिंग में बदलाव, यू-टर्न व्यवस्था सुधारने, सड़क डिजाइन संशोधित करने और ट्रैफिक डायवर्जन जैसे कदम उठाए जा सकते हैं। जीएमडीए इस स्टडी को ट्रैफिक पुलिस और अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ मिलकर आगे बढ़ाएगा। अधिकारियों का कहना है कि इससे शहर में ट्रैफिक प्रबंधन को और बेहतर किया जा सकेगा।

**इन सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति:** गोल्फ कोर्स रोड, मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो जंक्शन, सेक्टर 27-29-43-44 जंक्शन बख्तावर चौक, ओल्ड दिल्ली रोड, न्यू रेलवे रोड, ओल्ड रेलवे रोड, राजीव चौक, राजीव चौक से सोहना चौक, झाड़सा चौक, सेक्टर 29 रोड, सेक्टर 44 रोड, गैलेरिया रोड, 953 किलोमीटर लंबा सड़क नेटवर्क शहर के दायरे में है। 20 से ज्यादा चौराहों और सड़कों पर लंबा ट्रैफिक जाम लगता है। 8 बजे सुबह से 11 बजे और शाम को पांच बजे से दस बजे तक ट्रैफिक जाम लगता है। 200 से ज्यादा चौराहों और सड़कों को जीएमडीए ने सुधारने की योजना है। 2031 तक शहर की आबादी 42.5 लाख होने का अनुमान है। 75 प्रतिशत चौराहों पर पीक आवर में जाम 75 फीसदी से अधिक इंटरसेक्शन पर पीक आवर में जाम की स्थिति बनी रहती है।

## जोधपुर से दिल्ली कैंट तक चलेगी 20 कोच वाली नई वंदे भारत एक्सप्रेस, अश्विनी वैष्णव का बड़ा ऐलान

**जोधपुर, एजेंसी।** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव व केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शुक्रवार को हरी झंडी दिखाकर जोधपुर से दिल्ली कैंट तक चलने वाली बीस कोच वाली वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन किया। बीस कोच वाली इस नई वंदे भारत के शुरू होने से दिल्ली जाने वाले यात्रियों को वेटिंग लिस्ट से बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही जैसलमेर के नवनिर्मित कोच केयर कॉम्प्लेक्स का भी वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया गया। पर्यटन नगरी जैसलमेर को गुजरात से सीधे जोड़ने के लिए साबरमती-जोधपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस का जैसलमेर तक विस्तार किया गया है। दोनों मंत्रियों ने इस विस्तारित ट्रेन को भी वर्चुअल हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। समारोह को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान से देश के विभिन्न हिस्सों में हमारे प्रवासी रहते हैं, जहां भी जाते हैं, सबकी एक ही मांग होती है कि ट्रेनें चलाई जाएं। इसी को ध्यान में रखते हुए चेन्नई, हैदराबाद, पुणे समेत कई नई ट्रेनें शुरू की गई हैं।

जोधपुर में कोचिंग टर्मिनल बनाने का फैसला लिया गया है, जिससे भविष्य में और ज्यादा नई गाड़ियां शुरू हो सकेंगी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन भी शुरू हो चुकी है। यात्रियों की भारी मांग को देखते हुए इस ट्रेन को आठ कोच से बढ़ाकर बीस कोच का कर दिया गया है। इससे ट्रेन की यात्री क्षमता 530 से बढ़कर सीधे 1440 हो गई है। भगत की कोठी में वंदे भारत स्लीपर कोचिंग टर्मिनल का काम शुरू हो गया है, जिससे राजस्थान में स्लीपर वंदे भारत ट्रेनें चल सकेंगी। जोधपुर से हरिद्वार के लिए ट्रेन शुरू करने की लंबे समय से मांग की जा रही थी। आने वाले दस महीनों के अंदर यह ट्रेन शुरू हो जाएगी। समारोह को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी संबोधित किया।

## कर्नाटक के कलबुर्गी में भीषण सड़क हादसा, कार और लॉरी की टक्कर में पांच लोगों की मौत

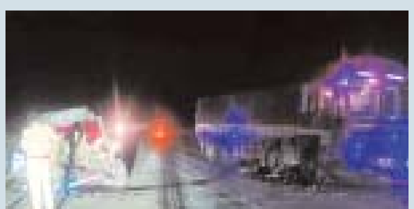

**वायनाड, एजेंसी।** कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में बीती रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जहां लाडजापुर के पास एक चार-पहिया वाहन की लॉरी से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पांचों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक ए श्रीनिवासुलु ने पुलिस टीम के साथ घटनास्थल का दौरा किया और मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। कर्नाटक पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए शनिवार को बताया कि कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में लाडलापुर के पास एक क्रूजर गाड़ी की लॉरी से टक्कर हो जाने के बाद पांच लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद, कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक (SP) ए. श्रीनिवासुलु ने घटनास्थल का दौरा किया और दुर्घटना के कारणों का जायजा लेने के लिए निरीक्षण किया। पुलिस ने बताया कि एक महीने पहले कर्नाटक के यादगिरी इलाके में एक कार की बस से टक्कर हो जाने के बाद सात लोगों की मौत हो गई थी और दो बच्चे घायल हो गए थे। कार में सवार सभी यात्री एक ही परिवार के थे और रायचूर के सिरवार तालुक के रहने वाले थे।यादगिरी के पृथ्वीक शंकर ने बताया कि यह दुर्घटना यादगिरी जिले में, सुरपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। एक प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार, कार एक ट्रैक्टर को ओवरटेक करने की कोशिश में सामने से आ रही बस से टकरा गई। शंकर ने कहा, 'हमने पीड़ित परिवार की ओर से शिकायत ले ली है और हम मामले की जांच कर रहे हैं।'

## बेटे की शादी में नहीं शामिल होंगे ट्रंप: ईरान के साथ जारी बातचीत का दिया हवाला

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि वह अपने बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की शादी में शामिल नहीं हो पाएंगे। ट्रंप ने इसकी वजह अंतरराष्ट्रीय हालात और सरकार से जुड़े बेहद अहम मामलों को बताया है। डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की शादी पाम बीच की सोशलाइट बेटिना एंडरसन से होने जा रही है। हालांकि ट्रंप ने साफ कर दिया कि मौजूदा परिस्थितियों में उनका व्हाइट हाउस में रहना ज्यादा जरूरी है।

**ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर क्या बताया:** ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मैं अपने बेटे डॉन जूनियर और ट्रंप परिवार की नई सदस्य बनने जा रहीं बेटिना के साथ इस खास मौके पर रहना चाहता था, लेकिन सरकार से जुड़ी परिस्थितियां और अमेरिका के प्रति मेरा प्रेम मुझे ऐसा करने की अनुमति नहीं देते। मुझे लगता है कि इस महत्वपूर्ण समय में वॉशिंगटन डीसी स्थित व्हाइट हाउस में रहना बेहद जरूरी है। डॉन और बेटिना को बधाई।

**ट्रंप ने कहा- बेटे की शादी का समय ठीक नहीं:** इससे पहले गुरुवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा था कि बेटे की शादी का समय ठीक नहीं है क्योंकि इस वक्त ईरान और कई अन्य मुद्दे सामने हैं। पॉलिटिको के मुताबिक ट्रंप अब शुक्रवार शाम को न्यूयॉर्क में एक भाषण देने के बाद सीधे व्हाइट हाउस लौट सकते हैं। पहले उनका सप्ताहांत न्यू जर्सी स्थित अपने गोल्फ क्लब में बिताने और रविवार को लौटने का कार्यक्रम था।

बताया जा रहा है कि ट्रंप जूनियर और बेटिना एंडरसन की शादी बहामास में होगी। यह एक निजी और सीमित समारोह होगा, जिसमें परिवार और करीबी दोस्तों को ही शामिल किया जाएगा। क्या ईरान पर दोबारा हमला करने वाले हैं ट्रंप?

## पति से संबंधों के शक में कॉलेज छात्रा की सुपारी देकर कराई हत्या, महिला और बेटी गिरफ्तार

**दंतेवाड़ा, एजेंसी।** छत्तीसगढ़ में डीआरजी जवान की प्रेमिका होने के संदेह में उसकी पत्नी ने एक कॉलेज छात्रा की हत्या करवा दी। इसके लिए उसने अपने रिश्तेदार को 50,000 रुपये की सुपारी दी थी। पुलिस ने आरोपित पत्नी और उसकी सौतेली बेटी को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपितों की निशानदेही पर मजिस्ट्रेट, फारेंसिक एक्सपर्ट और गवाहों की मौजूदगी में छात्रा का कंकाल बरामद कर लिया गया है, जबकि हत्या आरोपित फरार है। पुलिस ने बताया कि कालेज छात्रा रामदई कश्यप (22) की गुमशुदगी की रिपोर्ट जून 2024 में स्वजन ने दर्ज कराई थी। पुलिस को शुरुआती जांच में कोई सुराग नहीं मिला। बाद में दोबारा जांच शुरू की गई तो पता चला कि छात्रा रामदई ग्राम तोयलंका निवासी डीआरजी जवान पांडू करटम के संपर्क में थी। करटम की पहली पत्नी की मौत हो चुकी है। उसने कमली करटम से दूसरी शादी की। कमली अपने पति और युवती की नजदीकियों से नाराज थी। इसी कारण उसने रिश्तेदार हुंगाराम उर्फ बुटू करटम को 50 हजार रुपये देकर हत्या की साजिश रची।

घटना के समय पांडू करटम बीज त्योहार में शामिल होने आया हुआ था। कमली ने अपनी सौतेली बेटी लक्ष्मी (पांडू की पहली पत्नी से जन्मी पुत्री) को दंतेवाड़ा भेजा और रात में रामदई की मौजूदगी की जानकारी ली। इसके बाद पिकअप वाहन से मुख्य आरोपित को दंतेवाड़ा भेजा। आरोप है कि हुंगाराम ने घर में घुसकर रामदई का मुंह और गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को बोरे में भरकर पिकअप वाहन से ग्राम तोयलंका ले आया और नाले के किनारे दफना दिया। पुलिस ने कमली और लक्ष्मी की निशानदेही पर दंडाधिकारी, फारेंसिक विशेषज्ञ और गवाहों की मौजूदगी में खोदाई कराई तो सफेद प्लास्टिक की बोरी में रखा कंकाल बरामद किया गया।

## रास्ते पर नमाज पर रोक के खिलाफ कोर्ट जाएगी तृणमूल, ममता बनर्जी ने पार्षद को दिया निर्देश

**कोलकाता, एजेंसी।** बंगाल में सड़क पर नमाज पढ़ने पर राज्य सरकार की पाबंदी के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस कोर्ट जाने की तैयारी में है। सूत्रों के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने मेटियाबुरुज की एक तृणमूल पार्षद को इस मामले में अदालत का दरवाजा खटखटाने का निर्देश दिया है। बताया जा रहा है कि संबंधित पार्षद जल्द ही इस मुद्दे पर कोर्ट में याचिका दायर कर सकती हैं। शुक्रवार को कालीघाट स्थित आवास पर ममता बनर्जी ने कोलकाता नगर निगम के तृणमूल पार्षदों के साथ बैठक की। बैठक में सड़क पर नमाज पढ़ने को लेकर राज्य सरकार की ओर से जारी प्रतिबंध का मुद्दा उठा। सूत्रों का दावा है कि चर्चा के दौरान ममता ने संबंधित पार्षद को तत्काल अदालत जाने के लिए कहा। दूसरी ओर राज्य सरकार की सख्ती के बाद शुक्रवार को कोलकाता के राजाबाजार, तपसिया, पार्क सर्कस और तिलजला जैसे इलाकों में सड़क रोककर नमाज नहीं पढ़ी गई। मस्जिदों के भीतर ही दो चरणों में जुम्मे की नमाज की व्यवस्था की गई, जिसके चलते मुस्लिम धर्मावलंबियों ने मस्जिदों के अंदर ही नमाज अदा की।

**ममता ने कोलकाता नगर निगम के पार्टी पार्षदों के साथ बैठक की:** बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के मद्देनजर तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो व पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को यहां कालीघाट स्थित अपने आवास पर कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के पार्षदों के साथ बैठक की। इस बैठक का महत्व इसलिए बढ़ गया क्योंकि नगर निकाय का शुक्रवार को होने वाला मासिक सत्र नगर निगम के सचिव द्वारा एक दिन पहले नोटिस जारी कर अचानक रद कर दिया गया था। पार्टी सूत्रों ने बताया कि ममता ने केएमसी में तृणमूल पार्षदों के बीच संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा करने के लिए बैठक की, जहां 2026 के अंत तक चुनाव होने हैं।

**केएमसी में तृणमूल के पास भारी बहुमत है:** केएमसी में तृणमूल के पास भारी बहुमत है और 144 वार्ड में से 136 वार्ड उसके पार्षदों के पास हैं। पिछले महीने हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा से हारने के बाद पार्टी केएमसी चुनाव से पहले अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं को फिर से सक्रिय करने की कोशिश कर रही है।

# पश्चिम एशिया संकट: फिर हमले की तैयारी में अमेरिका, जंग या शांति; किस मोड़ पर खड़ा है ईरान

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर नए हमलों को लेकर बेहद गंभीर हैं। अगर आखिरी समय में हो रही शांति वार्ता का कोई नतीजा नहीं निकलता है, तो अमेरिका बड़ा सैन्य एक्शन ले सकता है। अमेरिकी मीडिया आउटलेट 'एक्सियोस' की रिपोर्ट के मुताबिक, राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार सुबह अपने वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा दल के साथ बैठक की। इस बैठक में ईरान के खिलाफ युद्ध को लेकर गहन चर्चा की गई। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर तेहरान पहुंचे हैं। एक कतरी प्रतिनिधिमंडल भी आखिरी वक्त में समझौता कराने की कोशिशों में जुटा है। रिपोर्ट के मुताबित, अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि ट्रंप बातचीत में कोई बड़ी सफलता न मिलने की स्थिति में नए हमलों पर विचार कर रहे हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख शनिवार को ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के कमांडर जनरल अहमद वाहिदी से मुलाकात कर सकते हैं, जो ईरान के नीति-निर्धारण में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

**वार्ता में गतिरोध और ट्रंप की नाराजगी:** राजनयिक प्रयासों से जुड़े एक अमेरिकी अधिकारी ने इस बातचीत को कष्टदायक बताया है। उन्होंने कहा कि हर दिन ड्राफ्ट का आदान-प्रदान हो रहा है, लेकिन कोई खास प्रगति नहीं दिख रही है। शुक्रवार को व्हाइट हाउस में हुई उच्च स्तरीय बैठक में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा सचिव पीट हेगसेथ, सीआईए निदेशक जॉन रैटक्लिफ और व्हाइट हाउस की चीफ ऑफ स्टाफ सूजी विल्स शामिल थीं। व्हाइट हाउस के एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा, 'ईरान समझौता करने के लिए मर रहा है। देखते हैं क्या होता है लेकिन हमने उन पर कड़ा प्रहार किया और हमारे पास कोई विकल्प नहीं था क्योंकि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते।' वहीं, स्वीडन में नाटो विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत में मामूली प्रगति हुई है, लेकिन वे इसे बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताना चाहते।

**बेटे की शादी में भी शामिल नहीं होंगे ट्रंप:** ट्रंप नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के मद्देनजर एक राजनीतिक रैली के लिए न्यूयॉर्क गए थे। पहले उनका वीकेंड न्यू जर्सी के बेडमिंस्टर गोल्फ क्लब में बिताने का कार्यक्रम था, जिसे रद्द कर वे शुक्रवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए।

## हैलो ग्रीनलैंड: ट्रंप की पोस्ट फिर बढ़ी हलचल, अमेरिकी रणनीति पर भड़के ग्रीनलैंडवासी; सड़कों पर उतरे लोग

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने एक बार फिर ग्रीनलैंड को लेकर ऐसा कदम उठाया है, जिसने वहां राजनीतिक और जनभावनाओं को गर्मा दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह ग्रीनलैंड की राजधानी नुक की स्काईलाइन के सामने दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा, 'हैलो ग्रीनलैंड!' ट्रंप की इस पोस्ट को ऐसे समय में साझा किया गया, जब ग्रीनलैंड में अमेरिका की बढ़ती मौजूदगी को लेकर विरोध तेज हो गया है। अमेरिकी प्रतिनिधियों की हालिया यात्रा और नए अमेरिकी वाणिज्य दूतावास को लेकर स्थानीय लोग नाराज दिखाई दे रहे हैं। ग्रीनलैंड में हाल ही में अमेरिका के नए वाणिज्य दूतावास भवन की शुरुआत को लेकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। राजधानी नुक की सड़कों पर सैकड़ों लोग उतरे और अमेरिका विरोधी नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों के हाथों में ऐसे पोस्टर थे, जिन पर लिखा था कि हमें आपका पैसा नहीं चाहिए और ग्रीनलैंडवासी मैगा ट्रोजन हॉर्स को पहचानते हैं। लोगों ने सड़कों पर गो अवे यानी यहां से चले जाओ के नारे भी लगाए। दरअसल, अमेरिका ने आर्कटिक क्षेत्र में अपनी रणनीतिक मौजूदगी मजबूत करने के लिए नुक में बड़ा और ज्यादा प्रभावशाली राजनयिक केंद्र तैयार किया है।

## मस्क की जासूसी के लिए चीन की बड़ी साजिश

*क्या वेटर बनकर पहुंची सेना की कमांडर*

**बीजिंग, एजेंसी।** चीन पर हमेशा से ही दूसरे देशों की जासूसी करने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। अब एक नई और बेहद चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन की सेना के एक बड़े अधिकारी ने एक खास कार्यक्रम में जासूसी की साजिश रची। यह जासूसी दुनिया के सबसे अमीर इंसान एलन मस्क और अन्य विदेशी मेहमानों पर नजर रखने के लिए की गई थी।

इसके लिए चीनी जनरल ने बाकायदा एक वेटर का रूप धारण किया था। जेनिफर जेंग नाम की एक स्वतंत्र ब्लॉगर ने चीन की सरकार पर जासूसी के गंभीर आरोप लगाए हैं। जेनिफर ने सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट किए हैं। उन्होंने बताया है कि जब अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल बीजिंग गया था, तब वहां एक बहुत बड़ी दावत रखी गई थी। यह दावत उनके सम्मान में थी। बता दें कि ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं।

इसी दावत में एलन मस्क भी मौजूद थे। जेनिफर का दावा है कि इस दावत में जो महिला वेटर बनकर एलन मस्क के ठीक पीछे खड़ी थी, वह असल में चीन की सेना की एक बहुत बड़ी और सम्मानित अधिकारी है। जेनिफर जेंग ने अपनी बात को साबित करने के लिए सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं। उन्होंने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की दावत में खाना परोसने वाली दो महिला वेटर्स की तस्वीर दुनिया के सामने रखी है। ब्लॉगर का दावा है कि इन्हीं दोनों महिलाओं की सेना की वर्दी वाली तस्वीरें चीन के सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से शेयर की जा रही हैं।

**एलन मस्क के पीछे खड़ी महिला असल में कौन थी:** अपनी अगली पोस्ट में जेनिफर ने उस महिला वेटर की पूरी पहचान भी बता दी है। उन्होंने दावा किया कि एलन मस्क के पीछे जो महिला वेटर बनकर खड़ी थी, उसका असली नाम मेजर चेंग चेंग है। यह महिला कोई आम सैनिक नहीं है, बल्कि चीन की सेना की एक एलीट बटालियन की कमांडर है।

चेंग चेंग ने ही चीन की सेना के बड़े कार्यक्रमों के लिए सैन्य नियम लिखे हैं। जेनिफर ने यह भी शक जताया है कि दावत के दौरान चेंग चेंग ने अपनी लाल रंग की ड्रेस के नीचे कोई बंदूक या हथियार छिपा रखा था।

# क्यूबा पर अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने किया बड़ा दावा, बोले- जल्द ही आजाद होगा

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने शुक्रवार को भरोसा जताया कि क्यूबा जल्द ही साम्यवाद के चंगुल से आजाद हो जाएगा। अमेरिकी सांसदों और क्यूबा के अधिकारियों के बीच बढ़ते वार-पलटवार के बीच यह टिप्पणी सामने आई है। सीनेटर ग्राहम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'मेरा मानना है कि क्यूबा के अद्भुत लोगों की साम्यवाद के चंगुल से मुक्ति बहुत करीब है। क्यूबा लिबरे।' अमेरिकी प्रतिनिधि कार्लोस ए. जिमेनेज ने भी क्यूबा में राजनीतिक बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, 'क्यूबा जल्द ही स्वतंत्र होगा। यह अनगिनत लोगों के प्रयासों से संभव होगा, जो क्यूबा के अंदर और बाहर दोनों जगह मौजूद हैं। अी बहुत देर नहीं हुई है।'

**क्यूबा का अमेरिका पर आरोप:** वहीं, क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल ने अमेरिका की आलोचना की है। उन्होंने वॉशिंगटन के अधिकारियों पर क्यूबा के प्रति शत्रुता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। राष्ट्रपति ने कहा, 'क्यूबा का अमेरिका के लिए खतरा होना केवल कुछ अमेरिकी अधिकारियों के बीमार दिमाग में ही संभव है, जिन्होंने हमारे द्वीप के प्रति नीति का अपहरण कर लिया है। वे इस राष्ट्र के लोगों और दुनिया को बेशर्मी से झूठ बोलकर एक नए अकारण युद्ध को उचित ठहराते हैं, जिसमें दोनों देशों के लिए मानवीय जीवन का उच्च जोखिम है।'

**सामूहिक विरोध प्रदर्शन:** क्यूबा के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि 250,000 से अधिक क्यूबा के नागरिक सेना जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए एकत्र हुए थे। 'एक्स' पर एक पोस्ट में कार्यालय ने कहा, 'क्रांति के नेता, क्यूबा क्रांति के जनरल राउल कास्त्रो रूज पर कथित आरोप की निंदा करने के लिए आज सुबह ऐतिहासिक एंटी-इंपीरियलिस्ट ट्रिब्यून पर 250,000 से अधिक क्यूबावासी एकत्र हुए। उनके साथ राष्ट्रपति मिगुएल डियाज-कैनल बर्मुडेज भी थे।'

**लोकतंत्र समर्थक नेता से मुलाकात:** वेटिकन में अमेरिकी दूतावास के ब्रायन बर्च ने क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मुलाकात की।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'क्यूबा के लोकतंत्र समर्थक नेता जोस डैनियल फेरर से मिलकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, जिन्होंने क्यूबा शासन की दमनकारी प्रकृति को प्रत्यक्ष रूप से झेला है। फेरर को बुनियादी स्वतंत्रता की मांग करने के कारण निर्वासन में जाने के लिए मजबूर किया गया था।'

ट्रंप ने की थी मानवीय सहायता की पेशकश

इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका क्यूबा की चल रही आर्थिक और बिजली संकट के बीच मानवीय आधार पर सहायता करना चाहता है। पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने इस अटकलों को खारिज कर दिया कि क्षेत्र के पास विमानवाहक पोत यूएसएस निमित्ज की तैनाती का उद्देश्य क्यूबा सरकार को डराना था। उन्होंने कहा, 'नहीं, बिल्कुल नहीं।

# रीवा में 'अमृत महा हरित अभियान' पर एक दिवसीय संभागीय कार्यशाला संपन्न

**मीडिया ऑडीटर, रीवा, (निप्र)।** नगर निगम रीवा द्वारा 'अमृत महा हरित अभियान' के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं पौधों के रखरखाव को लेकर शनिवार को एक दिवसीय संभागीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2026 में प्रभावी वृक्षारोपण की योजना तैयार करना तथा लगाए गए पौधों के दीर्घकालिक संरक्षण एवं देखभाल को सुनिश्चित करना रहा कार्यशाला में नगर निगम उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, कार्यपालन अभियंता हरीशंकर मिश्रा, सिटी मैनेजर अभिमन्यु सिंह, वन विभाग के सेवानिवृत्त एसडीओ एमपी मिश्रा सहित सभी यूएलबी के सीएमओ, सब इंजीनियर एवं पीडीएमसी के अधिकारी उपस्थित रहे। इसके

साथ ही एसएसजी की महिलाओं ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि वृक्षारोपण केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल, सिंचाई, सुरक्षा और निगरानी भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने पौधों के चयन, रोपण की तकनीक, मिट्टी की तैयारी तथा जल संरक्षण के उपायों पर भी विस्तार से मार्गदर्शन दिया 'अमृत मित्र' योजना से जुड़ी महिलाओं ने भी अपने अनुभव साझा किए और वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण में अपनी भूमिका पर चर्चा की। महिलाओं ने कहा कि यदि समुदाय स्तर पर सहभागिता बढ़े तो पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य अधिक प्रभावी ढंग से पूरे किए जा सकते हैं। उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी ने कहा कि इस कार्यशाला से प्राप्त सुझावों को वर्ष 2026 के वृक्षारोपण अभियान में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रीवा को हरियाली, स्वच्छता और जल संरक्षण की दिशा में एक आदर्श शहर बनाने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करना होगा कार्यशाला के समापन पर अधिकारियों ने संकल्प लिया कि वृक्षारोपण अभियान को केवल औपचारिकता न बनाकर इसे एक जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि आने वाले समय में रीवा को पर्यावरणीय रूप से और अधिक समृद्ध बनाया जा सके।

## बिजली लाइन में स्पार्किंग से भड़की आग, देर से पहुंची फायर ब्रिगेड जिंदा जलने से 3 बच्चों की मौत

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मध्य प्रदेश के सीधी जिले में कच्चे मकान में लगी भीषण आग में तीन मासूम बच्चों की जिंदा जलकर मौत हो गई आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे घर को चपेट में ले लिया। अंदर मौजूद बच्चे बाहर नहीं निकल सके ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने की कोशिश शुरू की तब तक बच्चों ने दम तोड़ दिया था जानकारी के मुताबिक मृत बच्चों की पहचान डेढ़ वर्षीय रिधि साकेत, 6 वर्षीय धुम्मू उर्फ संध्या साकेत और 3 वर्षीय एक अन्य बच्चे के रूप में हुई है। सभी जमोड़ी के काशीहवा गांव के रहने वाले थे। हादसा शनिवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी बच्चे अंदर फंसे रहे गांव के पुष्पराज मिश्रा ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। घर के ऊपर से गुजर रही बिजली लाइन में स्पार्किंग हुई चिंगारी पास में रखे बांस और सूखे सामान पर गिरी, जिसके बाद आग तेजी से फैल गई देखते ही देखते पूरा कच्चा मकान आग की लपटों में घिर गया घटना के समय घर बाहर से बंद था और अंदर तीनों बच्चे मौजूद थे बच्चों की मां ने घर से जाते समय दरवाजा बाहर से बंद कर दिया था इसकी वजह से बच्चे अंदर ही फंस गए। स्थानीय स्तर पर सुविधा न होने के कारण फायर ब्रिगेड को चुरहट से बुलवाने में देरी हुई, जिससे नुकसान बढ़ गया मजदूरी पर गया था पिता राशन लेने गई थी मां बच्चों के पिता रामरतन साकेत ने बताया कि वह मजदूरी करने सीधी शहर गए थे जबकि बच्चों की मां राशन लेने दुकान गई थी। इसी दौरान हादसा हो गया। गांव के एक व्यक्ति ने फोन कर आग लगने और बच्चों के फंसे होने की जानकारी दी खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई सूचना मिलते ही जमोड़ी थाना प्रभारी दिव्य प्रकाश त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक तीनों बच्चों की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी गांव पहुंच गए।

## संघ प्रमुख शहडोल से रायपुर के लिए रवाना :तीन दिन के प्रवास पर आए थे, 350 सुरक्षाकर्मी रहे तैनात

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने अपना तीन दिवसीय शहडोल प्रवास पूरा किया वे देर रात कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सारनाथ एक्सप्रेस से रायपुर के लिए रवाना हुए आदिवासी अंचल में संघ प्रमुख का यह दौरा संगठनात्मक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना गया संघ प्रमुख 20 मई को कटनी से शहडोल पहुंचे थे उनका यह दौरा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रथम विकास वर्ग के आयोजन के सिलसिले में था इस प्रशिक्षण वर्ग में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के मालवा एवं मध्य क्षेत्र से 383 स्वयंसेवकों ने भाग लिया 19 मई से शुरू हुए इस वर्ग के दौरान डॉ. भागवत ने स्वयंसेवकों से संवाद

किया। उन्होंने कई बौद्धिक सत्रों को संबोधित किया और संघ के संगठनात्मक विषयों पर पदाधिकारियों के साथ चर्चा की 350 अधिकारी कर्मचारी तैनात रहे संघ प्रमुख के दौरे के मद्देनजर पूरे शहर को हाई-सिक्योरिटी जोन में बदल दिया गया था उनकी श्रेणी की सुरक्षा के तहत सीआईएसएफ, स्पेशल ब्रांच जिला पुलिस और अन्य जिलों से आए लगभग 350 अधिकारी-कर्मचारी सुरक्षा में तैनात थे पांडवनगर स्थित सरस्वती स्कूल परिसर में 24 घंटे सुरक्षा निगरानी की गई। डीएसपी रैंक के अधिकारियों के साथ सीआईएसएफ की विशेष टीम लगातार सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रख रही थी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यकर्ता विकास वर्ग (सामान्य प्रथम वर्ष) 18 मई से सरस्वती स्कूल पांडवनगर में आयोजित किया जा रहा है जिसका समापन 7 जून को होगा संघ प्रमुख तीन दिनों तक इसी वर्ग के कार्यक्रमों में शामिल रहे और पूरे समय परिसर के भीतर ही रुके पांडवनगर में रही कड़ी सुरक्षा सुरक्षा कारणों से पांडवनगर क्षेत्र के 500 मीटर दायरे में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध था। आगमन और प्रस्थान के दौरान शहर के कई प्रमुख मार्गों पर यातायात भी डायवर्ट किया गया। प्रवास के अंतिम दिन देर रात डॉ. भागवत शहडोल रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में उन्हें सारनाथ एक्सप्रेस से रायपुर के लिए रवाना किया गया।

## सूखी झाड़ियों में लगी आग, तेज हवा से फैली घरों की बाड़ी तक पहुंचीं लपटें, फायर बिग्रेड-ग्रामीणों ने पाया काबू

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** शहडोल जिले के अमलाई क्षेत्र अंतर्गत बकहो में शनिवार को सड़क किनारे सूखी झाड़ियों में अचानक आग लग गई तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलती गई और आसपास का इलाका इसकी चपेट में आ गया कब्रिस्तान क्षेत्र तक पहुंची आग आग की लपटें पास स्थित कब्रिस्तान की ओर बढ़ने लगीं जिससे इलाके में दहशत फैल गई स्थिति बिगड़ते देख ग्रामीणों ने दमकल विभाग को सूचना दी और खुद भी आग बुझाने में जुट गए घरों और बाड़ियों को नुकसान आग नगर परिषद बकहो के वार्ड क्रमांक-3 की बताई गई है प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग पहले सूखी घास और झाड़ियों में लगी थी, जो तेज हवा में फैल गई। इस

दौरान एक घर की बाड़ी में पेड़-पौधे, लकड़ियां और घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया ग्रामीणों और दमकल की कोशिश से काबू ग्रामीणों ने बाल्टियों और पाइप से पानी डालकर आग को फैलने से रोकने का प्रयास किया उनकी तत्परता से आग कब्रिस्तान के अंदर तक नहीं पहुंच पाई सूचना मिलने के बाद दमकल टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के साथ मिलकर कई घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

## केज कल्चर इकाई स्थापना के लिए आवेदन आमंत्रित, 40 से 60 प्रतिशत तक अनुदान सहायता मिलेगी

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 के अंतर्गत जिले के बरचर एवं गुलाब सागर जलाशयों का समुचित उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केज कल्चर इकाई स्थापना एवं संचालन के लिए पात्र हितग्राहियों, समितियों एवं संस्थाओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं बताया गया कि हितग्राही एवं समिति/संस्था मूलक योजना के तहत पात्र आवेदकों को उनकी पात्रता के अनुसार 40 से 60 प्रतिशत तक अनुदान सहायता प्रदान की जाएगी यह अनुदान सहायता भारत सरकार द्वारा केज कल्चर गतिविधि स्वीकृत होने के उपरांत उपलब्ध कराई जाएगी।

## दिनदहाड़े घर से 8 लाख की चोरी :पुलिस 15 घंटे बाद भी मौके पर नहीं पहुंची, ग्रामीण बोले-क्षेत्र में नहीं हो रही गश्त

**मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)।** शहडोल जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के बदौडी गांव में दिनदहाड़े करीब 8 लाख रुपए की चोरी हो गई यह घटना ऐसे समय हुई है जब कोटरी गांव में एक सेवानिवृत्त शिक्षक के घर से 75 लाख रुपए की चोरी का मामला अभी सुलझा नहीं है इस नई वारदात ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

**इलाज के लिए अस्पताल गया था परिवार:** बदौडी गांव की निवासी तारावती सिंह शुक्रवार सुबह लगभग 10 बजे अपने देवर के साथ इलाज के लिए शहडोल अस्पताल गई थीं। उनके पति घर से बाहर रहते हैं, इसलिए उस समय घर में कोई मौजूद नहीं था। शाम को जब तारावती सिंह वापस लौटीं, तो उन्होंने घर के मुख्य दरवाजे के ताले टूटे हुए पाए।

**सोने-चांदी के गहने सहित कई बर्तन चोरी:** घर के

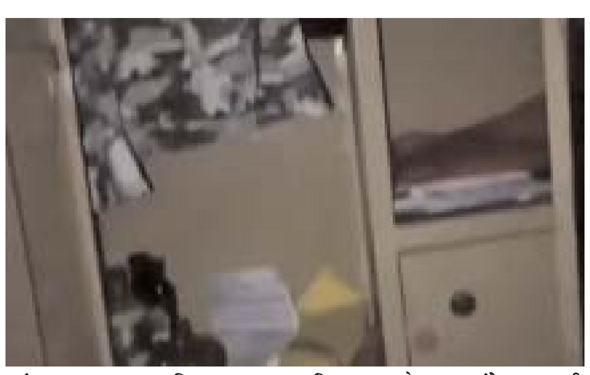

अंदर का सामान बिखरा हुआ था और अलमारी व पेटियों के ताले टूटे हुए थे। पीड़िता के अनुसार, चोर लगभग दो तोला सोने के जेवर, करीब दो किलो चांदी के आभूषण और पीतल व फूल के 15 बर्तन चोरी कर ले गए। चोरी हुए सामान की कुल कीमत लगभग 8 लाख रुपए आंकी गई है।

**15 घंटे बाद भी निरीक्षण करने नहीं पहुंची पुलिस:** तारावती सिंह ने शुक्रवार रात ही जैतपुर थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, शिकायत के 15 घंटे बाद भी शनिवार सुबह 10 बजे तक पुलिस टीम घटनास्थल का निरीक्षण करने नहीं पहुंची थी इस पर ग्रामीणों ने पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार चोरी की वारदातें हो रही हैं, लेकिन पुलिस न तो गश्त बढ़ा रही है और न ही पिछली चोरियों का खुलासा कर पा रही है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से नियमित गश्त बढ़ाने और इन घटनाओं का जल्द खुलासा करने की मांग की है।

## नशीली दवाओं की शिकायत पर अबेर में छापा, एक मेडिकल स्टोर सील, दूसरे को नोटिस

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** सतना जिले के कोटर क्षेत्र के अबेर में नशीली दवाओं की अवैध बिक्री की शिकायतों के बाद शुक्रवार को प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो मेडिकल स्टोर्स का औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान एक मेडिकल स्टोर को सील कर दिया गया, जबकि दूसरे संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई ड्रग इंस्पेक्टर प्रियंका चौबे, डीएसपी मुख्यालय मनोज दीक्षित तथा कोटर थाना प्रभारी दिलीप मिश्रा की संयुक्त टीम द्वारा की गई। टीम ने मौके पर पहुंचकर अनन्या मेडिकल स्टोर और जागृति मेडिकल स्टोर का विस्तृत निरीक्षण किया तथा दवाओं के स्टॉक, बिलिंग और संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की निरीक्षण के दौरान अनन्या

मेडिकल स्टोर पर गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। जांच में पाया गया कि स्टोर पर प्रोपराइटर और फार्मासिस्ट अनुपस्थित थे, जिससे नियमों का उल्लंघन स्पष्ट हुआ। इसके अलावा दवा भंडारण और रिकॉर्ड से संबंधित कई खामियां भी सामने आईं। इन अनियमितताओं के चलते प्रशासन ने मेडिकल स्टोर को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया वहीं, जागृति मेडिकल स्टोर की जांच के दौरान भी कई कमियां उजागर हुईं। दस्तावेजों में विसंगतियों और नियमों के पालन में लापरवाही पाए जाने पर संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में नशीली और अवैध दवाओं के कारोबार पर सख्त नजर रखी जा रही है। नियम विरुद्ध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने वाले मेडिकल स्टोर्स पर आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है और अन्य मेडिकल संचालकों में भी जांच को लेकर सतर्कता देखी जा रही है।

## मुख्यमंत्री ने गोपद बनास हादसे पर जताया गहरा शोक, परिजनों को तत्काल आर्थिक सहायता की घोषणा

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तहसील गोपद बनास अंतर्गत ग्राम कसिहवा, ग्राम पंचायत बघवारी में हुए दर्दनाक अग्निकांड पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं। मुख्यमंत्री ने इस हृदयविदारक घटना में मृत तीनों बच्चों के परिजनों को प्रति मृतक 6 लाख 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता तत्काल उपलब्ध कराए जाने की घोषणा की है घोषित सहायता राशि में 2-2 लाख रुपये मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान मद से, 4-4 लाख रुपये ऊर्जा विभाग से, 20-20 हजार रुपये जिला रेडक्रॉस सोसायटी सीधी से तथा 5-5 हजार रुपये अंत्येष्टि सहायता राशि के रूप में प्रदान किए जाएंगे।

### सोन घड़ियाल अभ्यारण्य में घड़ियाल के बच्चे से छेड़छाड़

## युवकों की हरकत से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, अधिकारी बोले-जांच के बाद होगी कार्रवाई वीडियो

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** सीधी जिले के सोन घड़ियाल अभ्यारण्य से एक वीडियो सामने आया है जिसमें कुछ युवक सोन नदी में घड़ियाल के बच्चे के साथ छेड़छाड़ करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अभ्यारण्य की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं वायरल वीडियो में 5 से 6 युवक सोन नदी में नहाते नजर आ रहे हैं बताया जा रहा है कि यह घटना अभ्यारण्य क्षेत्र और मुख्य मार्ग से करीब 300 मीटर दूर की है इसी क्षेत्र में हाल ही में चंबल नदी से 80 कछुए और घड़ियाल छोड़े गए थे अभ्यारण्य में पहले से भी

बड़ी संख्या में घड़ियाल और मगरमच्छ मौजूद हैं।

**घड़ियाल के बच्चे के साथ की छेड़छाड़:** वीडियो में युवक घड़ियाल के बच्चे को पकड़कर उसके साथ खिलवाड़ करते दिखाई दे रहे हैं। कुछ युवक उसकी पूंछ पकड़ते नजर आए जबकि कुछ उसका मुंह पकड़कर वीडियो बनाते दिखे।

इस घटना को लेकर लोगों ने नाराजगी जताई है और वन्यजीव सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

**वन्यजीव विशेषज्ञ बोले- ऐसी हरकतें खतरनाक:** विशेषज्ञों का कहना है कि घड़ियाल और मगरमच्छ जैसे जलजीवों के साथ इस तरह की हरकत खतरनाक हो सकती है। साथ ही यह वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत अपराध की श्रेणी में आता है घटना के दौरान मौके पर किसी अधिकारी या कर्मचारी के मौजूद न होने की बात भी सामने आई है जांच के बाद होगी कार्रवाई मामले में प्रमोद सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी मिली है और इसकी जांच कराई जा रही है उन्होंने कहा कि यदि किसी ने वन्यजीवों के साथ छेड़छाड़ की है या नियमों का उल्लंघन किया है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

## बेटे ने 5 हजार में कराई पिता की हत्या, शव जंगल के सूखे कुएं में जलाकर छिपाया था बदबू आने पर खुलासा

**मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)।** सीधी जिले के मझौली थाना क्षेत्र में एक हत्या का खुलासा हुआ है पुलिस ने बताया कि एक बेटे ने अपने पिता की हत्या के लिए 5 हजार रुपए की सुपारी दी थी हत्या के बाद शव को जंगल के सूखे कुएं में फेंककर आग लगा दी गई थी, ताकि पहचान मिटाई जा सके। मझौली पुलिस ने शनिवार को इस मामले में 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है मझौली थाना प्रभारी विशाल शर्मा ने जानकारी दी कि 19 मई को ग्राम बरमानी निवासी रघुवर अगरिया ने अपने बड़े भाई राजभान अगरिया के लापता होने की सूचना दी थी पुलिस और ग्रामीणों ने तलाश शुरू की। ग्राम करमाई पड़ोहर टोला के जंगल में स्थित एक सूखे कुएं से दुर्गंध आने पर जांच की गई, जहां एक जला हुआ शव मिला। बाद में शव की पहचान राजभान अगरिया के रूप में हुई पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि मृतक का पुत्र कमलभान अगरिया अपने पिता से लगातार होने वाले विवादों से परेशान था। इसी रंजिश के चलते उसने अपने परिचित रबी सिंह गोंड को पिता की हत्या के लिए 5 हजार रुपए देने की पेशकश की थी योजना के अनुसार 16 मई की रात आरोपियों ने राजभान अगरिया को घर से बाहर बुलाया इसके बाद डंडों और खूंटे से हमला कर उनकी हत्या कर दी हत्या के बाद आरोपियों ने शव को एक कंबल में लपेटकर जंगल के सूखे कुएं में फेंक दिया। पहचान मिटाने के इरादे से शव को आग लगा दी गई और ऊपर से झाड़ियां डालकर छिपाने का प्रयास किया गया पोस्टमार्टम रिपोर्ट में राजभान के सिर पर गंभीर चोटें और शव को जलाने के साक्ष्य मिले इसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

# मां–बाप का हक : देखभाल करना नैतिक–कानूनी जिम्मेदारी

संपादकीय

संवेदनाओं के क्षरण व आत्मकेंद्रित होती नई पीढ़ी के दौर में मां-बाप की बेकद्री विचलित करने वाली है। यह विडंबना ही है कि उन मां-बाप की देखभाल करने का निर्देश अदालत को देना पड़ रहा है, जिनका ऋण वे कभी चुका ही नहीं सकते। मां के रक्त से सींचे गए और पिता की पसीने से पले-बढ़े बेटे से यदि अदालत को कहना पड़े कि 'मां को घर में रहने के लिये एक कमरा, अलग बाथरूम और बुनियादी सुविधाएं दी जाएं', तो यह बात शर्मसार करने वाला है। जिस मां ने नौ माह तक बेटे को अपने पेट में पाला, उसे घर में रहने देने के लिये अदालत को निर्देश देना पड़े, इससे बड़ा कृतघ्नता का दूसरा उदाहरण नहीं हो सकता। भले ही यह कोर्ट का आदेश हो, लेकिन यह एक अलिखित नैतिक दायित्व पहले से ही है। निश्चय ही यह घटनाक्रम हमारे समाज की बेहद कष्टदायक होती तसवीर को ही उकेरता है। सामान्य तौर पर मां-बाप अपना पेट काटकर, अपने सुख-सुविधाओं पर समझौता कर, बच्चों को बेहतर से बेहतर देने का प्रयास करते हैं। एक मां-बाप ही होते हैं जो सच्चे मन से अपने बच्चों की तरक्की चाहते हैं। निस्संदेह, ऐसी पढ़ी-लिखी संतानों से अनपढ़ संतानें बेहतर हैं, जो कम से कम अपने वृद्ध माता-पिता के पास रहकर उनका ख्याल तो रखती हैं। यह सवाल परेशान करने वाला है कि जिस समाज में 'मातृ देवो भव' की सर्वस्वीकार्य मान्यता रही हो, वहां ये कैसी कलयुगी संतानें जन्म ले रही हैं? मां-बाप की बेकद्री की यह अकेली कहानी नहीं है, हर रोज अखबारों में ऐसी घटनाएं सामने आती हैं, जिसमें धन-संपत्ति के लिये मां-बाप से क्रूरता की जा रही होती है। निस्संदेह, यदि उनकी अवहेलना व उत्पीड़न का यह क्रम यूं ही चलता रहा तो बहुत संभव है भारत में भी पश्चिमी देशों जैस चलन शुरू हो जाएगा, जहां मां-बाप बच्चों को होश संभालने के बाद ही उन्हें पैरों पर खड़ा होने के लिये चलता कर देते हैं।

दरअसल, पश्चिमी देशों में मां-बाप मानकर चलते हैं कि बड़े होकर बच्चों ने उनकी देखभाल नहीं करनी, अतः इनसे पहले ही किनारा कर लो। आधुनिकता व तरक्की की लाख इबारतें लिख ली जाएं, भारतीय समाज कभी पश्चिमी समाज की तर्ज पर नहीं चल सकता। भारत श्रवण कुमार का देश है और आज भी अधिसंख्य संतानें अपने मातृ-पितृ ऋण उतारती हैं। उनका ख्याल रखती हैं। विकृतियां महानगरीय संस्कृति की भी देन हैं। बच्चों की भी अपनी दुश्वारियां हैं। फिर भी भारतीय संस्कृति में वो शक्ति है जो पारिवारिक मूल्यों को सींचती है। बहरहाल, माता-पिता की सेवा-सम्मान व बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना महज एक सांस्कृतिक दिखावा नहीं है बल्कि संतानों का नैतिक-कानूनी दायित्व भी है। हाल ही में कोर्ट ने जिस घर में बेटे को वृद्ध मां को एक कमरा आदि देने को कहा, वह मकान वृद्धा के दिवंगत पति द्वारा ही बनाया गया था।

## युद्ध, अविश्वास और बयानबाजी के बीच भारत का बढ़ता सम्मान

**डॉ राघवेंद्र शर्मा**

हमें कब कहां क्या बोलना चाहिए या नहीं बोलना चाहिए, या फिर हमें कब कहां क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, यह सावधानी बड़े मायने रखती है। क्योंकि हमारे विद्वान कह गए हैं -

बिना बेचारे जो करे सो पांछे से पछताय।
काम बिगाड़े आपनो, जग में होत हंसाय।।

अर्थात बिना विचार किये जो भी व्यक्ति कुछ कहता या करता है, वह खुद का काम तो बिगाड़ता ही है, साथ में हंसी का पात्र भी बनता है। आज यही हालत खुद को दुनिया का ठेकेदार मानने वाले देशों और वहां के कतिपय नेताओं की हो गई है।

अमेरिका ने ईरान पर हमला क्यों बोला ? सब जानते हैं। इजरायली राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू की दुश्मनी डोनाल्ड ट्रंप ने अपने ऊपर क्यों ली? यह भी सबको पता है। रूस यूक्रेन लंबे समय से क्यों एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं, यह भी किसी से छुपा नहीं है। रह जाती है खाड़ी देशों की बात, तो वहां से भी अच्छे समाचार नहीं मिल रहे। आपस में एक दूसरे के ठिकानों पर बमबारी करने की मजबूरी देखने को मिल रही है। लेकिन वैश्विक और क्षेत्रीय कुछ नेताओं ने युद्ध से पहले और युद्ध के दौरान जो कहा और किया, उस कृत्य ने उनकी वैश्विक छवि को हास्यास्पद बना दिया है। मसलन - ईरान को बर्बाद कर देने के दावे करने के बावजूद ईरान का और ज्यादा आक्रामक होते चले जाना, यूरोपीय एकता की मिसाल कहे जाने वाले नाटो का हालातो से किनारा कर जाना, युद्ध में अपनी जमीन का दुरुपयोग ना होने देंगे संबंधी फ्रांस का दो टूक जवाब, सीज फायर की नौबत आन पड़ी तो एक ओर समझौते की बात करना फिर साथ में इस युद्ध में उलझे हुए देशों द्वारा एक दूसरे को खत्म करने की धमकी भी देते चले जाना, ऐसे मामले हैं जो उपरोक्त मामलों में विद्वता झाड़ रहे बड़बोले नेताओं की गंभीरता को कम करते हैं। नतीजा यह है कि विश्व समझ ही नहीं पा रहा, परस्पर एक दूसरे से जूझ रहे देश के नेताओं की कौन सी बात मानें और कौन सी नहीं। यानि असमय और हर वक्त मुंह चलाने की आदत ने शाब्दिक जुगाली करने के आदी नेताओं को अविश्वसनीय बना दिया है। हालत यह बन गए हैं कि एक देश का राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे को गंभीरता से लेना ही नहीं चाहता। हालत ये हो गई कि कल जिन देशों को शत्रु राष्ट्र समझा जा रहा था अब उन का साथ बैठना दोनों की मजबूरी के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन जग हंसाई इस पर भी हो रही है कि नेता आपस में मिल रहे है। कैसे भी जंग समाप्त हो, इसके सच्चे झूठे रास्ते भी तलाश रहे हैं। लेकिन इसे अविश्वास की पराकाष्ठा ही कहा जाएगा कि स्वयं को विश्व का ठेकेदार समझने वाले ऐसे वार्ताकार साझा प्रेस कांफ्रेंस करने की हिम्मत तक नहीं कर पा रहे । उससे भी ज्यादा अपमानजनक हालत यह बने कि एक राष्ट्र अध्यक्ष दूसरे राष्ट्र की यात्रा पर जा रहा है तो यजमान राष्ट्राध्यक्ष द्वारा प्रोटोकॉल के तहत आगंतुक अति विशिष्ट जन की सम्मानजनक अगवानी तक नहीं की जा रही

कुल मिलाकर अमेरिका ईरान का सीज फायर संकट में है। हॉर्मुज स्ट्रेट का मामला सिर दर्द बना हुआ है। रूस यूक्रेन पहले की तरह ही मोर्चे पर डटे हुए हैं। किसी की ताइवान तो किसी की क्यूबा पर गंदी नजर है। जिन्हें खुद पर गुरुर था अब वो खुद चलकर उन देशों की यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें कल तक शत्रु देश कहा जा रहा था। हद तो यह है कि शाब्दिक जुगलियों के लिए बदनाम हो चुके स्वयंभू विद्वानों को मध्यस्थता के लिए भी मिला तो पाकिस्तान। वह पाकिस्तान, जिसके बारे में कहा जाता है कि कल उसका अस्तित्व दुनिया के नक्शे पर रहेगा भी या नहीं, इसकी कोई गारंटी नहीं है। क्योंकि पाकिस्तान खुद आतंकवाद को पाल पोसकर अपनी मौत का बंदोबस्त कर चुका है।

बड़ा आश्चर्य होता है यह सोचकर कि हमारे देश के अनेक विपक्षी नेता काफी चिल्लपों इस बात पर मचा रहे थे कि इतना सब हो रहा है, पर हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कुछ नहीं बोल रहे। इस बात पर भी आपत्ति जताई गई कि बोलते भी हैं तो बेहद कम और अपने मतलब की बात करते हैं। अब जब पूरा वैश्विक परिदृश्य सामने है, तब ऐसे स्वयंभू ज्ञानियों को समझाना थोड़ा आसान प्रतीत होता है कि इस अशांति पूर्ण माहौल में अकारण मुंह चलाने वालों की कैसी दुर्दशा हो रही है? लेकिन एक हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हैं, जो चुपचाप अपना कार्य करते चले जा रहे हैं।

# उपहारों की कूटनीति से वैश्विक मंच पर भारतीय संस्कृति का उत्कर्ष

**विनोद कुमार सिंह तकियावाला**

विगत दिनों पाँच देशों की यात्रा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व को दिया भारतीय आत्मीयता, संस्कृति,सभ्यता व 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश

भारत केवल एक राष्ट्र नहीं,बल्कि हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति, सभ्यता,दर्शन और मानवीय मूल्यों की जीवंत धारा है।यहाँ राजनीति केवल सत्ता संचालन का माध्यम नहीं रही,बल्कि समाज,संस्कृति और विश्व बंधुत्व की सम्पूर्ण चेतना से भी जुड़ी रही है।भारतीय परंपरा ने सदैव दुनिया को यह संदेश दिया कि संबंध शक्ति से नहीं,संवेदना से स्थायी बनते हैं।हमारी संस्कृति में अतिथि का स्वागत केवल औपचारिकता नहीं,बल्कि आत्मीयता और सम्मान का प्रतीक माना गया है।वर्तमान दौर मे जब वैश्विक राजनीति लगातार बदल रही है,दुनिया आर्थिक प्रतिस्पर्धा, युद्ध,सामरिक तनाव और वैचारिक संघर्षों के दौर से गुजर रही है,तब भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना के साथ विश्व मंच पर एक संतुलित और मानवीय शक्ति के रूप में उभर रहा है।विगत दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया पाँच देशों-संयुक्त अरब अमीरात,नीदरलैंड, स्वीडन,नॉर्वे और इटली-की यात्रा इसी बदलते भारत की नई तस्वीर बनकर सामने आई।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की

यह यात्रा केवल राजनीतिक बैठकों, व्यापारिक समझौतों या रणनीतिक साझेदारियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि भारतीय संस्कृति,लोक जीवन,कला,कृषि और सभ्यतागत मूल्यों की सुगंध को भी दुनिया तक पहुँचाने का माध्यम बनी।मोदी ने इस पूरे दौरे के दौरान विदेशी नेताओं को जो सप्रेम भारतीय उपहार भेंट किए,वे केवल स्मृति- चिन्ह नहीं थे,बल्कि भारत की आत्मा,उसकी विविधता और उसकी सांस्कृतिक चेतना के जीवंत प्रतीक थे।भारतीय कूटनीति का इतिहास सदैव सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़ा रहा है।प्राचीन काल में जब भारत से व्यापारी समुद्री मार्गों से दक्षिण-पूर्व एशिया,अरब और यूरोप की ओर जाते थे,तब वे केवल वस्तुएँ ही नहीं ले जाते थे,बल्कि भारतीय संस्कृति,दर्शन,भाषा, संगीत,योग और जीवन शैली भी अपने साथ लेकर जाते थे।यही कारण है कि आज भी इंडोनेशिया, थाईलैंड,कंबोडिया,वियतनाम और कई अन्य देशों की सांस्कृतिक परंपराओं में भारतीय सभ्यता की झलक दिखाई देती है।मोदी ने इस सांस्कृतिक कूटनीति को एक नई दिशा दी है।उन्होंने यह समझा कि दुनिया केवल आर्थिक शक्ति से प्रभावित नहीं होती,बल्कि सांस्कृतिक पहचान और मानवीय जुड़ाव भी देशों के बीच स्थायी संबंध बनाते हैं।यही वजह है कि उनकी विदेश यात्राओं में भारतीय विरासत,परंपरा और सांस्कृतिक

प्रतीकों की विशेष भूमिका दिखाई देती है।इस पाँच देशों की यात्रा में सबसे अधिक चर्चा उन उपहारों की हुई, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी अपने विदेशी मेहमानों और नेताओं के लिए स्वयं भारत से लेकर गए।सर्वविदित रहे कि इन उपहारों में भारत की पवित्र मिट्टी की खुशबू थी,अन्नदाता किसानों की मेहनत थी,बुनकरों की कला थी,लोक कलाकारों की कल्पना थी और भारतीय समाज की आत्मीयता थी।संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति को मोदी ने गुजरात का प्रसिद्ध केसर आम और मेघालय का अनानास भेंट किया।सर्वविदित रहे कि भारतीय परंपरा में फल केवल स्वाद या उपभोग की वस्तु नहीं माने जाते,बल्कि समृद्धि,प्रेम और शुभकामनाओं के प्रतीक होते हैं। फलों का राजा आम का भारतीय साहित्य और लोक संस्कृति में विशेष स्थान रखता है।संस्कृत साहित्य से लेकर हिंदी कविता तक आम को ऋतु,प्रेम और मधुरता का प्रतीक माना गया है।भारतीय गाँवों में आम का पेड़ केवल फल देने वाला वृक्ष नहीं,बल्कि सामाजिक जीवन और पारिवारिक संस्कृति का हिस्सा होता है।

वही मेघालय का अनानास पूर्वोत्तर भारत की प्राकृतिक समृद्धि और जैव विविधता का प्रतीक है।लंबे समय तक पूर्वोत्तर भारत राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में कम दिखाई देता था,किंतु प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी विदेश नीति और विकास योजनाओं में पूर्वोत्तर को विशेष महत्व दिया है। उनके उपहारों में भी पूर्वोत्तर की झलक लगातार दिखाई देती है।यह केवल प्रतीकात्मक नहीं,बल्कि यह संदेश भी है कि भारत की असली शक्ति उसकी विविधता में निहित है।

नीदरलैंड की महारानी को भारतीय लोककला से सुसज्जित हस्तनिर्मित उपहार भेंट किए गए।भारतीय लोककलाएँ केवल रंगों और आकृतियों का संसार नहीं होतीं, बल्कि वे समाज की स्मृतियों, परंपराओं और सांस्कृतिक चेतना की अभिव्यक्ति होती हैं। बिहार की मधुबनी,कलमकारी,पट्टचित्र, वारली और मिथिला जैसी लोककलाएँ भारतीय समाज की आत्मा को दर्शाती हैं।इनमें गाँवों का जीवन,प्रकृति से जुड़ाव,स्त्री संवेदना और लोक संस्कृति की सहजता दिखाई देती है।जब ऐसी कलाएँ विश्व नेताओं तक पहुँचती हैं, तो वे केवल सजावटी वस्तुएँ नहीं रहतीं,बल्कि भारत की सांस्कृतिक पहचान का दर्पण बन जाती हैं। यह भारत की 'सॉफ्ट पावर' का प्रभावी उदाहरण है। दुनिया के कई विकसित देशों ने अपनी सांस्कृतिक शक्ति को वैश्विक प्रभाव का माध्यम बनाया है।स्वीडन के प्रधानमंत्री को मणिपुर की प्रसिद्ध लोकटक चाय भेंट की गई। यह केवल चाय नहीं,बल्कि पूर्वोत्तर भारत की प्रकृति,श्रम और सांस्कृतिक जीवन का प्रतीक है। लोकटक झील मणिपुर की पहचान मानी जाती है और उसके आसपास की संस्कृति भारत की जैव विविधता और पारंपरिक जीवन शैली का अद्भुत उदाहरण है।भारतीय कूटनीति की यह खूबी रही है कि वह संबंधों में भावनात्मक जुड़ाव को भी महत्व देती है।दुनिया के कई देशों की राजनीति केवल हितों पर आधारित दिखाई देती है, लेकिन भारत ने हमेशा 'मानवता' को अपने वैश्विक दृष्टिकोण का केंद्र बनाया है।यही कारण है कि भारत की विदेश नीति में 'विश्व बंधुत्व' और 'साझा विकास' जैसे विचार लगातार दिखाई देते हैं।इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को असम का प्रसिद्ध मूंगा रेशम स्टोल भेंट किया गया।मूंगा रेशम भारतीय बुनकरों की कला और परंपरा का अनुपम उदाहरण है।असम के बुनकरों की मेहनत और कौशल इस रेशम में दिखाई देते हैं।इसकी सुनहरी चमक केवल वस्त्र की सुंदरता नहीं,बल्कि भारतीय श्रम संस्कृति और लोकजीवन की गरिमा का प्रतीक है।इसके साथ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'मेलोडी' टॉफी भेंट करना कूटनीति के उस मानवीय और सहज पक्ष को सामने लाता है, जो संबंधों को औपचारिकता से ऊपर उठाकर आत्मीयता में बदल देता है।राजनीति और कूटनीति अक्सर गंभीर और औपचारिक दिखाई देती है,लेकिन भारतीय संस्कृति में हास्य,अपनापन और मानवीय गर्माहट को भी विशेष महत्व दिया जाता है।यही कारण है कि यह छोटा-सा उपहार भी दुनिया भर के मीडिया और सोशल मीडिया में चर्चा का विषय बन गया।मोदी की विदेश यात्राओं की एक विशेषता यह भी रही है कि वे भारत की क्षेत्रीय विविधता को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करते हैं।कभी काशी की संस्कृति,कभी तमिल सभ्यता, कभी पूर्वोत्तर भारत की परंपराएँ और कभी राजस्थान या गुजरात की लोककलाएँ - हर क्षेत्र को वैश्विक पहचान दिलाने का प्रयास दिखाई देता है।इससे यह संदेश जाता है कि भारत केवल महानगरों का देश नहीं,बल्कि गाँवों,लोक परंपराओं, किसानों,बुनकरों और कारीगरों की भी जीवंत सभ्यता है।भारत की विदेश नीति में यह सांस्कृतिक आत्मविश्वास पिछले कुछ वर्षों में और मजबूत हुआ है।पहले वैश्विक मंचों पर भारत अक्सर विकासशील देशों की चुनौतियों तक सीमित दिखाई देता था,लेकिन अब भारत अपनी सभ्यतागत पहचान के साथ आत्मविश्वास से खड़ा दिखाई देता है। जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान ' वन अर्थ , वन फैमली वन फ्यूचर ' का संदेश इसी भारतीय दर्शन की आधुनिक अभिव्यक्ति था।

भारतीय संस्कृति का मूल भाव संघर्ष नहीं,सहअस्तित्व है।यहाँ प्रकृति को भी पूजनीय माना गया, नदियों को माँ कहा गया,वृक्षों को जीवन का आधार माना गया और संपूर्ण विश्व को परिवार की दृष्टि से देखने की परंपरा विकसित हुई। यही कारण है कि भारत जब दुनिया से संवाद करता है, तो उसके पीछे केवल सामरिक या आर्थिक सोच नहीं होती, बल्कि मानवीय मूल्यों की भी भूमिका होती है।मोदी की इस यात्रा के दौरान व्यापार,रक्षा, हरित ऊर्जा,तकनीकी सहयोग और निवेश से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण समझौते हुए।यूरोप के देशों के साथ भारत के आर्थिक संबंध और मजबूत हुए।खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा सुरक्षा और निवेश के क्षेत्र में नई संभावनाएँ बनीं।इन सबके बीच भारतीय संस्कृति की उपस्थिति लगातार दिखाई देती रही।

दरअसल,किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी सैन्य क्षमता या आर्थिक प्रगति में नहीं होती, .बल्कि उसकी सांस्कृतिक पहचान और सभ्यतागत आत्मविश्वास में भी निहित होती है। जापान आज तकनीक के साथ अपनी संस्कृति के लिए जाना जाता है।चीन अपनी सभ्यता और उत्पादन क्षमता दोनों का उपयोग करता है।यूरोप अपनी विरासत को वैश्विक पहचान का हिस्सा बनाता है।भारत भी अब अपनी सांस्कृतिक शक्ति को विश्व संबंधों का आधार बना रहा है।भारतीय उपहारों में यह संदेश स्पष्ट दिखाई देता है कि भारत आधुनिकता और परंपरा दोनों को साथ लेकर चलना चाहता है।एक ओर भारत डिजिटल तकनीक,अंतरिक्ष, रक्षा और आर्थिक विकास में आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर वह अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ा हुआ भी दिखाई देता है।यही संतुलन भारत को दुनिया के अन्य देशों से अलग बनाता है।

नरेन्द्र मोदी की यह यात्रा इस बात का भी संकेत है कि आने वाले समय में भारत की विदेश नीति केवल राजनीतिक या आर्थिक दायरे तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि संस्कृति,सभ्यता,विरासत और लोकजीवन भी उसकी महत्वपूर्ण ताकत बनेंगे।भारतीय हस्तशिल्प,वस्त्र,कृषि उत्पाद, पारंपरिक खान-पान और लोककलाएँ अब वैश्विक मंच पर भारत की नई पहचान बनती जा रही हैं।यह केवल सांस्कृतिक प्रदर्शन नहीं,बल्कि भारत के ग्रामीण अर्थतंत्र और स्थानीय कारीगरों को वैश्विक पहचान देने का माध्यम भी है।जब किसी विदेशी नेता को भारत का हस्तनिर्मित वस्त्र,लोककला या कृषि उत्पाद भेंट किया जाता है,तो उसके पीछे लाखों किसानों, बुनकरों और कारीगरों की मेहनत भी दुनिया तक पहुँचती है।यह 'लोकल टू ग्लोबल' की उस सोच का हिस्सा है,जिसे भारत आज नई दिशा दे रहा है।

आज विश्व ऐसे दौर में खड़ी है जहाँ तकनीकी प्रगति तो तेज़ है,लेकिन मानवीय संवेदनाएँ कमजोर पड़ती दिखाई देती हैं।ऐसे समय में भारत अपनी सांस्कृतिक चेतना के माध्यम से दुनिया को संतुलन का संदेश दे रहा है।भारतीय दर्शन सदैव यह कहता आया है कि विकास केवल आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं होना चाहिए,बल्कि उसमें मानवता, नैतिकता और सांस्कृतिक मूल्यों का भी समावेश होना चाहिए।

प्रधानमंत्री की पाँच देशों की यह यात्रा वस्तुतः उसी भारतीय दृष्टि का विस्तार थी।भारतीय उपहारों के माध्यम से दुनिया ने महसूस किया कि भारत केवल उभरती हुई आर्थिक शक्ति नहीं,बल्कि एक ऐसी सभ्यता भी है,जो संबंधों में आत्मीयता,सम्मान और संवेदनशीलता को सबसे ऊपर रखती है।जब भारत का केसर आम अरब की धरती तक पहुँचता है, मूंगा रेशम इटली के राजनयिक मंच पर दिखाई देता है,लोकटक चाय यूरोप की मेजों तक पहुँचती है और भारतीय लोककलाएँ विश्व नेताओं के हाथों तक जाती हैं,तब वास्तव में भारत अपनी संस्कृति के माध्यम से दुनिया के दिलों तक पहुँच रहा होता है।निस्संदेह, प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत की विदेश नीति के उस नए अध्याय का संकेत है, जहाँ कूटनीति केवल समझौतों और दस्तावेजों में नहीं,बल्कि संस्कृति, संवेदना,सभ्यता और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की आत्मीय भावना में भी लिखी जा रही है।यही भारत की पहचान है,यही उसकी ताकत है और यही उसकी वैश्विक भूमिका का भविष्य भी।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# और अब इबोला की खतरनाक चुनौती से परेशान दुनिया

**मनोज कुमार अग्रवाल**

**अब दुनिया को एक और वायरस चुनौती देने के लिए दस्तक दे रहा है दुनिया को कोरोना महामारी के दौरान यह सबक मिला कि कोई भी वायरस केवल किसी एक देश या महाद्वीप की समस्या नहीं होता। आज अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में इबोला वायरस के बढ़ते मामलों ने मामलों ने फिर यह याद दिलाया है कि स्वास्थ्य सुरक्षा अब सीमाओं में बंधी हुई चीज नहीं रही। जहां भी बीमारी फैलती है, उसका प्रभाव पूरी दुनिया की चिंता चन जाता है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, इस प्रकोप में सैकड़ों संदिग्ध मामले और बड़ी संख्या में संदिग्ध मौतें सामने आई हैं, जबकि भारत में भी प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों के लिए सतर्कता संबंधी सलाह जारी की गई है।**

यह कितना तेज से फैल रहा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो और युगांडा में इबोला के प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। पूर्वी कांगो में इबोला वायरस के दुर्लभ सुंडीबुग्यो स्ट्रेन के प्रकोप के कारण 139 लोगों की मौत हो गई है और 500 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए हैं। भारत ने इसको लेकर काफी सर्तक है। इबोला वायरस से बढ़ते प्रकोप को देखते हुए भारत और अफ्रीकी संघ के बीच होने वाले शिखर सम्मलेन को रद कर दिया गया। यह आयोजन 28 मई को नई दिल्ली में होना था। साथ ही भारत सरकार की तरफ से सर्तकता जारी की गयी है। इबोला कोई सामान्य बीमारी नहीं है।

इबोला वायरस एक अत्यंत संक्रामक और घातक वायरल हेमोरेजिक बुखार है जो रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। इसके प्रकोप में मृत्यु दर 25% से लेकर 90% तक होती है। वर्तमान में, कांगो और अफ्रीकी क्षेत्रों में इसके बढ़ते मामलों के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इसे लेकर वैश्विक अलर्ट जारी किया गया है।इबोला के मुख्य लक्षणवायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों (औसत 8-10 दिन) के भीतर लक्षण दिखाई देने लगते हैं :शुरुआती लक्षणः तेज बुखार, अत्यधिक थकान, गले में खराश, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द।गंभीर लक्षणः गंभीर उल्टी, दस्त, पेट में दर्द, और त्वचा पर चकत्ते।अंतिम चरणः आंतरिक और बाहरी दोनों तरफ से बिना कारण खून बहना, और अंगों का काम बंद कर देना (मल्टी-ऑर्गन फेलियर)यह संक्रमित व्यक्ति के खून, शरीर के तरल पदार्थों या संक्रमित जानवरों के संपर्क से फैल सकता है। बुखार, कमजोरी, उल्टी, दस्त, सिरदर्द और असामान्य रक्तस्राव जैसे लक्षण इसके खतरे की चेतावनी हो सकते हैं। इसलिए ऐसे किसी भी व्यक्ति को, जिसने हाल में प्रभावित क्षेत्र की यात्रा की हो, लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और अपनी यात्रा का पूरा विवरण स्वास्थ्य अधिकारियों को बताना चाहिए। इस बार चिंता इसलिए भी अधिक है क्योंकि प्रकोप बुडिबुग्यो स्ट्रेन से जुड़ा बताया जा रहा है। इस स्ट्रेन के लिए अभी व्यापक रूप से उपलब्ध प्रमाणित वैक्सीन की स्थिति सीमित है, और विशेषज्ञों के अनुसार वैक्सीन विकसित करने में समय लग सकता है। यही कारण है कि रोकथाम, जांच, आइसोलेशन और संपर्क में आए लोगों की पहचान सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन जाते हैं। अफ्रीका के जिन इलाकों में यह बीमारी फैल रही है, वे पहले से ही हिंसा, विस्थापन और कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। जब लोग अपने घर छोड़कर इधर-उधर जाते हैं, अस्पतालों में संसाधन कम होते हैं और स्वास्थ्यकर्मियों के पास पर्याप्त सुरक्षा साधन नहीं होते, तब वायरस को रोकना और कठिन हो जाता है। रिपोर्टों में स्थानीय स्वास्थ्यकर्मियों ने दवाओं, मास्क और संपर्क तलाशने के साधनों की कमी जैसी गंभीर समस्याएं भी उठाई हैं। भारत के लिए फिलहाल घबराने की नहीं, बल्कि पूरी सतर्कता की जरूरत है। देश में अब तक इबोला का कोई मामला सामने आने की सूचना नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा के इस दौर में निगरानी को मजबूत रखना आवश्यक है। हवाई अड्डों पर स्क्रीनिंग, संदिग्ध यात्रियों की पहचान, क्वारंटाइन व्यवस्था, प्रयोगशाला जांच और अस्पतालों की तैयारी केवल कागजी प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए, बल्कि जमीन पर पूरी मजबूती से लागू होनी चाहिए। सबसे बड़ी जरूरत है कि जनता को सही जानकारी मिले। महामारी के समय अफवाहें भी जंगल की आग की तरह फैलती हैं। कोरोना काल में हमने देखा था कि डर, गलत सूचना और लापरवाही यानि तीनों मिलकर संकट को और बढ़ा देते हैं। इसलिए इबोला को लेकर भी न तो दहशत फैलानी चाहिए और न ही इसे हल्के में लेना चाहिए। सही संदेश यही है कि बीमारी गंभीर है, लेकिन समय पर पहचान, अलगाव और उपचार से संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सकता है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल एडवाइजरी जारी करने तक सीमित नहीं हो सकती। जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, सीमा क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर स्वास्थ्यकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण देना होगा। पीपीई, आइसोलेशन वार्ड, एंबुलेंस व्यवस्था और लैब परीक्षण की तैयारी पहले से सुनिश्चित करनी होगी। यदि कोई संदिग्ध मामला मिले, तो घबराहट के बजाय तेज और संगठित कार्रवाई होनी चाहिए। इस संकट ने फिर सावित किया है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश किसी खर्च का नाम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है। मजबूत अस्पताल, प्रशिक्षित डॉक्टर नर्स, पारदशर्शी सूचना व्यवस्था और वैज्ञानिक सोच ये किसी भी देश को महामारी से बचाने की पहली दीवार हैं। कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था केवल गरीब देशों की समस्या नहीं रहती, क्योंकि बीमारी की कोई सीमा नहीं होती। आज दुनिया को अफ्रीका के प्रभावित क्षेत्रों के साथ खड़ा होना चाहिए। दवा, उपकरण, विशेषज्ञ, धन और तकनीकी सहायता समय पर पहुंचनी चाहिए। किसी महामारी को रोकने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि उसे वहीं नियंत्रित किया जाए जहां वह शुरू हुई है। यदि दुनिया देर करती है, तो उसकी कीमत बाद में कहीं अधिक चुकानी पड़ती है। इबोला का खतरा हमें डराने नहीं, जगाने आया है। कोरोना ने हमें सिखाया था कि देर से चेतना महंगी पड़ती है। अब जरूरी है कि हम पिछले अनुभवों से सीखें। सरकारें सजग रहें, स्वास्थ्य तंत्र तैयार रहे और नागरिक जिम्मेदारी निभाएं। बीमारी से लड़ाई केवल अस्पतालों में नहीं जीती जाती, वह जागरूक समाज, वैज्ञानिक सोच और सामूहिक अनुशासन से जीती जाती है। इसलिए आज संदेश साफ है कि इबोला से डरने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है। समय पर जांच, सही सूचना, यात्रा इतिहास की ईमानदार जानकारी और स्वास्थ्य निर्देशों का पालन ही इस खतरे को सीमित कर सकता है। दुनिया ने कोरोना को झेला है, उससे सीखा भी है। अब वही सीख इबोला जैसे खतरनाक वायरस के सामने हमारी सबसे बड़ी ताकत बननी चाहिए। इबोला जानलेवा हो सकता है, लेकिन अजेय नहीं है। इतिहास गवाह है कि मजबूत निगरानी, तेज कार्रवाई और समुदाय के सहयोग से इबोला के प्रकोपों को रोका गया है। इस बार भी दुनिया को घबराने के बजाय एकजुट होकर काम करना होगा। भारत को भी सतर्क रहना होगा, लेकिन डर का माहौल नहीं बनाना होगा। नागरिकों को अफवाहों से बचना चाहिए, सरकार को तैयारी मजबूत रखनी चाहिए और मीडिया को जिम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए। आज जरूरत इस बात की है कि हम कोरोना के अनुभव से सीखें और हर नए वायरस को केवल खतरा नहीं, बल्कि तैयारी की परीक्षा मानें। मानवता ने पहले भी महामारियों का सामना किया है और आगे भी करेगी। फर्क सिर्फ इतना है

कि इस बार हमें देर नहीं करनी है।

आपको बता दें कि यह बीमारी हवा के जरिए नहीं फैलती, बल्कि निम्नलिखित माध्यमों से सीधे संपर्क में आने पर होती है :संक्रमित व्यक्ति या मृत शरीर के रक्त और शारीरिक तरल पदार्थों पसीने, लार, उल्टी, वीर्य को छूना।

# रविवार सुबह साढ़े तीन घंटे बिजली बंद रहेगी, आधे शहर की सप्लाई प्रभावित

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** नर्मदापुरम शहर में रविवार को बिजली कंपनी जोन-2 द्वारा नवीन 33 केवी लाइन का मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा। इसके चलते सुबह 8 बजे से 11:30 बजे तक शहर के कई इलाकों में विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। बिजली कंपनी ने नागरिकों से सहयोग की अपील करते हुए आवश्यक कार्य पहले से निपटाने की सलाह दी है बिजली कंपनी अधिकारियों के अनुसार लाइन मेंटेनेंस कार्य के कारण कलेक्ट्रेट, हाउसिंग बोर्ड, आईटीआई, प्रोफेसर कॉलोनी, मालाखेड़ी, नर्मदा टाउन, सदर बाजार तथा सेठानी घाट फीडर से जुड़े क्षेत्रों की बिजली सप्लाई प्रभावित रहेगी। करीब साढ़े तीन घंटे तक आधे शहर में बिजली बंद रहने से घरेलू उपभोक्ताओं, व्यापारिक प्रतिष्ठानों और कार्यालयों में कामकाज प्रभावित होने की संभावना है जिन प्रमुख क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रहेगी, उनमें कोर्ट परिसर, कलेक्ट्रेट परिसर, आरसीसी मॉल, कोठी बाजार, जिला जेल, पुलिस लाइन, कमिश्नर कॉलोनी, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, पटवारी कॉलोनी, बाबई रोड, कालिका नगर बैंक कॉलोनी पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, तवा कॉलोनी और महिला सेल के आसपास के इलाके शामिल हैं इसके अलावा शांतिनगर, मीनाक्षी चौक गिन्नी कंपाउंड, गल्ला मंडी तिवारी कॉलोनी, नारायण नगर, फॉरेस्ट डिपो, सांईनाथ एसटीडी होमगार्ड ऑफिस व्यंकटेश परिसर, मंगलमय परिसर, डिवाइन सिटी, चक्कर रोड, सांई विहार कॉलोनी, रेशम केंद्र और आजाद चौक क्षेत्र की सप्लाई भी बंद रहेगी बिजली कटौती का असर नर्मदा टाउन आनंद नगर, नर्मदा विहार एनएमबी कॉलेज, गैरिज लाइन बस स्टैंड, सिंधी कॉलोनी सतरस्ता, अमर चौक, सेठानी घाट, एसपी ऑफिस के आसपास,मोरछली चौक, इतवारा बाजार, ताराहटा, एकता चौक और सराफा चौक जैसे व्यस्त इलाकों में भी देखने को मिलेगा बिजली कंपनी ने बताया कि मेंटेनेंस कार्य पूरा होने के बाद विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी हालांकि कार्य की स्थिति के अनुसार समय में परिवर्तन भी संभव है अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे बिजली बंद रहने की अवधि को ध्यान में रखते हुए पेयजल मोबाइल चार्जिंग और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर लें।

## इटारसी में नल-जल योजना जल्द शुरू करने की मांग

### मलोथर में रात्रि चौपाल, सीईओ हिमांशु जैन ने सुनी ग्रामीणों की समस्याए

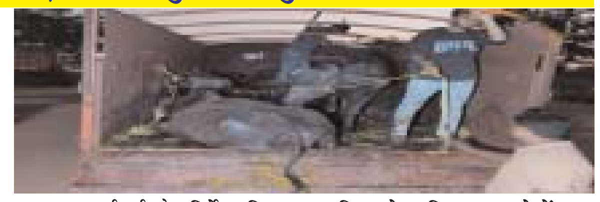

**मीडिया ऑडीटर, इटारसी ( निप्र )।** इटारसी में प्रशासन आपके द्वार अभियान के तहत शुक्रवार को विकासखंड केसला की मलोथर ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल आयोजित की गई। चौपाल में हिमांशु जैन ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने शासन की योजनाओं की जानकारी दी कृषि विभाग ने किसानों को अन्न मृदा परीक्षण और पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के बारे में जागरूक किया नल-जल योजना जल्द शुरू करने की मांग चौपाल में ग्रामीणों ने नल-जल योजना जल्द शुरू कराने की मांग उठाई। इस पर हिमांशु जैन ने पीएचई विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन पंचायतों में योजना हस्तांतरित हो चुकी है, वहां उपभोक्ता नियमित रूप से जलकर जमा करें, ताकि योजना का संचालन और रखरखाव सुचारू रूप से हो सके ग्रामीणों ने पानी निकासी की समस्या भी अधिकारियों के सामने रखी। इस पर पंचायत को कार्ययोजना और एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए गए योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने पर जोर चौपाल में तीर्थ दर्शन योजना और दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे गांवों में लगातार संपर्क बनाए रखें और लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान करें बांदरी गांव में शासकीय स्कूल के खेल मैदान के लिए भूमि उपलब्ध कराने को लेकर भी शिक्षा विभाग को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए कार्यक्रम में संगीता धुर्वे, निलेश शर्मा, डॉ. बबीता राठौर और नीता कोरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

## दूध लेने गए युवक को पीटा, 4 पर FIR बचाने पहुंचे माता-पिता और भाई पर भी हमला हाथ

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** शिवपुरी जिले के मायापुर थाना क्षेत्र के तिजारपुर गांव में बच्चों के पुराने विवाद को लेकर शनिवार सुबह दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई दोनों पक्षों के बीच लाठी-डंडे चले जिसमें कई लोग घायल हो गए पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर 4-4 लोगों के खिलाफ क्रॉस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तिजारपुर निवासी 22 वर्षीय शेवेन्द्र यादव ने पुलिस को बताया कि वह अपने चचेरे भाई सोनू यादव के साथ शनिवार सुबह गांव की सरकारी दूध डेयरी पर दूध देने गया था। इसी दौरान गांव के जबल यादव, प्राण सिंह यादव, रजनेश यादव और नेता यादव वहां पहुंचे और पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज करने लगे विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला कर दिया। शेवेन्द्र यादव के हाथ, पैर और कमर में चोटें आईं बीच-बचाव करने पहुंचे सोनू यादव पर भी हमला किया गया, जिससे उसके हाथ, पैर और कूल्हे में चोट आई।

## सीएम राइज स्कूल प्राचार्य के घर लाखों की चोरी

### खिड़की तोड़कर घुसे चोर, आधा किलो सोना और 10 लाख नकद ले गए

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** बदरवास कस्बे में सीएम राइज स्कूल के प्राचार्य के घर लाखों की चोरी हुई है। अज्ञात चोरों ने प्राचार्य के घर से जेवरात और नकदी चुरा ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है बदरवास कस्बे के वार्ड क्रमांक 8 निवासी सीएम राइज स्कूल के प्राचार्य महेंद्र कुमार गुप्ता (58) शुक्रवार रात अपनी पत्नी के साथ घर में सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर किचन की खिड़की तोड़कर घर में घुस गए आधा किलो सोने के जेवर भी ले गए चोर चोरों ने कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़ा और उसमें रखे करीब आधा किलो सोने के जेवर, 4 किलो चांदी तथा 10 लाख रुपए नकद चुरा लिए शनिवार सुबह जब परिवार के सदस्य जागे, तो उन्होंने घर का सामान बिखरा हुआ पाया और अलमारी का ताला टूटा हुआ था। इसके बाद उन्हें चोरी का पता चला। घटना की सूचना तत्काल बदरवास पुलिस को दी गई सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों का सुराग मिल सके फिलहाल अज्ञात चोरों की

## रेलवे ट्रैक पर खड़े व्यक्ति की जान बचाई, डायल-112 जवानों की तत्परता से टला हादसा

**मीडिया ऑडीटर, भोपाल ( निप्र )।** हरदा जिले के थाना टिमरनी क्षेत्र में डायल-112 जवानों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से रेलवे ट्रैक पर खड़े एक व्यक्ति की जान बचा ली गई समय रहते की गई इस कार्रवाई से संभावित बड़ा हादसा टल गया जानकारी के अनुसार, 22 मई को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि टिमरनी रेलवे स्टेशन के पास एक व्यक्ति आत्महत्या के उद्देश्य से रेलवे ट्रैक पर खड़ा है। सूचना मिलते ही डायल-112 एफआरव्ही वाहन तत्काल मौके के लिए रवाना किया गया मौके पर पहुंचकर आरक्षक धर्मेंद्र पटवारी और पायलट संजय पवार ने देखा कि व्यक्ति रेलवे ट्रैक पर खड़ा था और उसी समय ट्रेन आने का संकेत भी हो चुका था स्थिति की गंभीरता को समझते हुए दोनों जवानों ने साहस और तत्परता दिखाते हुए तुरंत व्यक्ति को पकड़कर ट्रैक से सुरक्षित बाहर निकाला इसके बाद व्यक्ति को सुरक्षित वाहन के माध्यम से थाना टिमरनी लाया गया जहां उसके परिजन भी पहुंच गए पुलिस टीम ने परिजनों को समझाइश दी और आवश्यक परामर्श के बाद व्यक्ति को उनके सुपुर्द कर दिया गया डायल-112 जवानों की इस संवेदनशील और त्वरित कार्रवाई से एक अनमोल जीवन बचाया जा सका यह घटना डायल-112 सेवा की तत्परता और जनसुरक्षा के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

## शिवपुरी पुलिस में उप निरीक्षकों के हुए तबादले :नक्सल प्रभावित मंडला-बालाघाट में मिली नई पदस्थापना

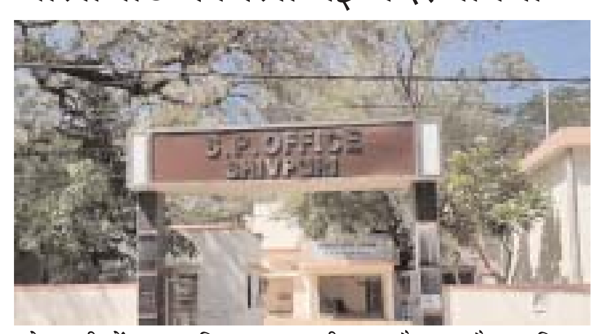


**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** पुलिस मुख्यालय भोपाल ने प्रदेशभर में उप निरीक्षकों के तबादले किए हैं, जिसमें शिवपुरी जिले के अधिकारी भी शामिल हैं। नक्सल प्रभावित बालाघाट और मंडला में दो साल की सेवा पूरी करने वाले अधिकारियों को नई पदस्थापना दी गई है। इसी क्रम में शिवपुरी जिले के कई उप निरीक्षकों को बालाघाट और मंडला भेजा गया है, जबकि वहां से कुछ अधिकारियों की शिवपुरी वापसी हुई है जारी आदेश के अनुसार सिरसौद थाना प्रभारी मुकेश दुबौलिया को बालाघाट स्थानांतरित किया गया है वहीं अमोला थाना प्रभारी अंशुल गुप्ता को मंडला कोतवाली में पदस्थ किया गया है इसके अतिरिक्त अमित चतुर्वेदी, दिनेश नरवरिया राघवेंद्र सिंह यादव और विनोद यादव को भी बालाघाट भेजा गया है दूसरी ओर, बालाघाट और मंडला से लौटे अधिकारियों में पुनीत वाजपेई को मंडला से शिवपुरी भेजा गया है अंकित उपाध्याय, संजय सिंह किरार दीपक गौतम और अविनाश राठौर की भी बालाघाट से शिवपुरी में पदस्थापना की गई है पुलिस मुख्यालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक अस्थाई रूप से अपनी नई पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना होगा।

## कुएं से बाहर निकलते ही तेंदुए का हमला, रेस्क्यू के दौरान मची अफरा-तफरी, 2 ग्रामीण घायल

**मीडिया ऑडीटर,शिवपुरी ( निप्र )।** शिवपुरी जिले के बैराड़ थाना क्षेत्र के उमरी गांव में शनिवार सुबह एक तेंदुए के रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान अचानक अफरा-तफरी मच गई। कुएं से बाहर निकालते ही तेंदुए ने वन विभाग की टीम और मदद कर रहे ग्रामीणों पर हमला कर दिया। इस हमले में दो ग्रामीण घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए बैराड़ स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है जानकारी के अनुसार उमरी गांव के पास एक तेंदुआ गाय के बछड़े का शिकार करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह असंतुलित होकर एक गहरे कुएं में जा गिरा। ग्रामीणों ने कुएं में तेंदुए को देखा तो तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम रेस्क्यू के लिए मौके पर पहुंची। तेंदुए को कुएं से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए स्थानीय ग्रामीणों की भी मदद ली गई बाहर आते ही भीड़ पर झपटा, मची भगदड़ काफी मशक्कत के बाद जैसे ही तेंदुए को कुएं से बाहर निकाला गया वह अचानक बेकाबू हो गया बाहर आते ही उसने वहां मौजूद भीड़ पर हमला कर दिया जिससे मौके पर अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई तेंदुए के इस अचानक हुए हमले में भिलौड़ी निवासी 59 वर्षीय मोहन सिंह (पुत्र भूपसिंह यादव) और 35 वर्षीय बुद्धा (पुत्र पूरन सिंह मोगिया) घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद वन विभाग की टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को बैराड़ स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां उनका उपचार चल रहा है इस पूरे घटनाक्रम को लेकर पोहरी रेंजर श्रुति राठौर का बयान भी सामने आया है उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर यह घटना हुई है वह वन क्षेत्र श्योपुर जिले की बेहरदा बीट के अंतर्गत आता है इसी वजह से उन्हें इस मामले और रेस्क्यू ऑपरेशन की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है।

## कॉकरोच जनता पार्टी पर सिंधिया और खंडेलवाल का तंज : बोले राजनीति ट्रेंड से नहीं, जनता के बीच काम करने से चलती है

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी ( निप्र )।** आयोजित भाजपा के 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) को लेकर पूछे गए सवालों पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अपनी प्रतिक्रिया दी दोनों नेताओं ने इस ऑनलाइन ट्रेंड को खारिज करते हुए कहा कि वास्तविक राजनीति इंटरनेट पर नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर जनता की सेवा करने से होती है शनिवार को मीडिया से चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि देश की जनता पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ी है और 'विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में जुटी है उन्होंने माना कि एक टिप्पणी के बाद 'कॉकरोच जनता पार्टी' का मुद्दा सोशल मीडिया पर चर्चा में जरूर आया लेकिन भाजपा का मुख्य ध्यान सिर्फ देश के विकास और जनता की सेवा पर केंद्रित है सिंधिया ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर रोज नए-नए मुद्दे सामने आते रहते हैंझ लेकिन वास्तविक राजनीति जनता के बीच रहकर काम करने से ही होती है और भाजपा देश को आगे बढ़ाने के कार्य में निरंतर लगी हुई है ट्रेंड या फॉलोअर्स की संख्या से नहीं चलती राजनीति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने CJP के बढ़ते फॉलोअर्स को लेकर कहा कि सोशल मीडिया और जमीनी राजनीति में बहुत बड़ा अंतर होता है उन्होंने कहा कई बार कोई बात तेजी से वायरल हो जाती है और कुछ दिनों तक चर्चा में बनी रहती है लेकिन उसका प्रभाव लंबे समय तक नहीं टिकता। खंडेलवाल ने जोर देते हुए कहा कि राजनीति केवल इंटरनेट के ट्रेंड या फॉलोअर्स की संख्या से नहीं चलती है स्थापित राजनीतिक दलों से CJP की तुलना अनुचित हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि भाजपा कांग्रेस या कोई भी अन्य दल हो वे अपनी विचारधारा और संगठन के दम पर कई वर्षों से जनता के बीच सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। केवल वही पार्टी या विचारधारा लंबे समय तक टिक पाती है, जो जनता के बीच रहकर काम करती है ऐसे में कॉकरोच जनता पार्टी की तुलना स्थापित राजनीतिक दलों से करना बिल्कुल भी उचित नहीं ह। हालांकि जब उनसे CJP के एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर प्रतिबंध लगने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने इस पर कुछ भी कहने से परहेज किया।

## बनखेड़ी मंडी में किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग, कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

**मीडिया ऑडीटर, पिपरिया ( निप्र )।** कांग्रेस ने पिपरिया की बनखेड़ी गल्ला मंडी में गेहूं खरीदी में हो रही देरी को लेकर शनिवार दोपहर नायब तहसीलदार राम सिपाही मरावी को ज्ञापन सौंपा इसमें किसानों की समस्याओं के तत्काल निराकरण की मांग की गई ज्ञापन में बताया गया कि 19 मई से मंडी में गेहूं की तुलाई शुरू नहीं हुई है जिसके कारण किसानों की ट्रॉलियां खड़ी हैं इससे किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है भीषण गर्मी और लगभग 44 डिग्री सेल्सियस तापमान में किसान अपनी उपज बेचने के लिए मंडी में परेशान होकर बैठे हैं। उन्हें खाने-पीने और रुकने तक में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है कांग्रेस ने प्रशासन से बनखेड़ी गल्ला मंडी में जल्द से जल्द गेहूं की तुलाई शुरू कराने की मांग की है ताकि किसानों को राहत मिल सके संगठन ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे सड़क पर उतरकर उग्र विरोध प्रदर्शन करेंगे जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी ज्ञापन सौंपते समय कांग्रेस कार्यकर्ता और किसान प्रतिनिधि मौजूद थे।

# गड्ढे का दूषित पानी पीने को मजबूर 200 आदिवासी अफसरों की अनदेखी से नहीं पहुंची नल-जल योजना

**मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम ( निप्र )।** नर्मदापुरम जिले के पर्यटन स्थल मढ़ई के पास बसे जंगल में बसें स्थित पापड़पानी भीषण जलसंकट गहरा गया है। यहां के 40 परिवारों के करीब 200 लोग गड्ढे का दूषित पानी पीने को मजबूर हैं गांव में पेयजल का एकमात्र साधन हैंडपंप पिछले 8 दिनों से बंद पड़ा है मंगरिया पंचायत के अंतर्गत आने वाले पापड़पानी गांव के ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में नल-जल योजना नहीं पहुंची। जबकि क्क।।श्व विभाग द्वारा मंगरिया पंचायत के सभी पांच गांवों में नल-जल योजना से पेयजल सप्लाई की जा रही है, लेकिन पापड़पानी के लोग अब भी योजना के लाभ से वंचित हैं जिसमें गांव के ग्रामीण शुद्ध पानी से प्यासे है। हैडपंप बंद हो जाने से मजबूरी में ग्रामीण गांव से 200 मीटर दूर स्थित एक खुले गड्ढों का गंदा पानी पी रहे हैं जिससे बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है शुक्रवार को दैनिक भास्कर रिपोर्टर पेयजल की स्थिति जानने ग्राउंड जीरो पर पापड़पानी गांव पहुंचा। एक घर के बाहर खड़े ग्रामीण मोटू से पेयजल की स्थिति के बारे में पूछा, उन्होंने कहा गांव में पानी का संकट है एकमात्र हैंडपंप से पूर्ति नहीं हो पाती है।फिलहाल में हैडपंप खराब होने से 8 दिन से बंद है जिस कारण झिरिया से पानी लाना पड़ रहा है जब हम उस झिरिया के पास पहुंचे जो बगैर मुंडेर की थी 3 फ़ीट नीचे उतरकर लकड़ी पर खड़े होकर तीन युवक पानी भर रहे थे गड्ढे में मटमैला पानी था जिसमें काई जमी थी और मृत जीवित मेंढक, जीव जंतु पड़े थे मौजूद गांव के तीनों युवक स्टील के बर्तन, प्लास्टिक की बोतल में पानी भरकर पी रहे थे आदिवासी मोटू ने प्रशासन से मांग की कि अबतक हमारे यहां नल जल, जलजीवन मिशन के तहत काम नहीं हुआ है। पानी की समस्या का स्थाई निवारण करवा दीजिए तपती धूप में सुबह 11 बजे सिर पर प्लास्टिक का डब्बा रख जा रही सरिताबाई ने कहा कि गांव में पानी को तरस रहे है झिरिया से पानी लाते है बिना मुंडेर का होने से जान का खतरा जिस गड्ढे से ग्रामीण पानी भरकर लाते है वो उसमें मुंडेर नहीं है पानी भरने के लिए 3 फ़ीट नीचे उतरना पड़ता है जिसमें गिरने की संभावना बनी रहती हैं ग्रामीणों के मुताबिक सुबह और शाम लोगों की भीड़ लगी रहती है बच्चें भी इसी तरह पानी भरने आते है जिससे उनकी जान पर खतरा मंडरा रहा है आदिवासी ग्रामीण महिला संगीता बाई ने बताया पानी की समस्या है काफी दिक्कत होती है जो हैंडपंप है वो कभी चलता कभी नहीं चलता है जिस कारण 200मीटर दूर झिरिया से रोजाना पानी लाते है गंदा पानी को छानकर पीना मजबूरी है हमारी समस्या को समाधान करना चाहिए।

## गांजा तस्करी पोस्ट पर कांग्रेस IT सेल अध्यक्ष से मारपीट, निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम ( निप्र )।** सिवनी मालवा अनुविभाग के शिवपुर तहसील में कांग्रेस आईटी सेल के विधानसभा अध्यक्ष दुर्गेश बैरागी ने मारपीट धमकी और पुलिस पर आरोपियों का साथ देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने गृहमंत्री के नाम तहसीलदार सिवनी मालवा के माध्यम से ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है ज्ञापन में बताया गया है कि दुर्गेश बैरागी ने कुछ दिन पहले शिवपुर बस स्टैंड क्षेत्र में कथित अवैध गांजा बिक्री को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट की थी। आरोप है कि इसी से नाराज होकर 21 मई की रात शिवेंद्र यदुवंशी, सुमित मालवीय रोहित यादव, दुर्गेश वर्मा, करण वंशकार सहित 20 से 25 लोग उनके घर पहुंचे। उन्होंने गाली-गलौज की और बैरागी की माता के साथ मारपीट की। आरोपियों ने धमकी दी कि यदि दुर्गेश बैरागी को नहीं समझाया गया तो उसे जान से मार दिया जाएगा फरियादी के अनुसार इस घटना के बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन पुलिस ने कई आरोपियों के नाम शिकायत में शामिल नहीं किए। इसके अगले दिन दोपहर में लगभग पांच लोग बैरागी की दुकान पर पहुंचे और उनके साथ दोबारा मारपीट व अभद्रता की आरोपियों ने कथित तौर पर कहा कि पुलिस हमारा कुछ नहीं बिगाड़ सकती दुर्गेश बैरागी का आरोप है कि जब वे दोबारा शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचे तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शिवपुर थाना प्रभारी ने उन्हें कथित तौर पर धमकाते हुए कहा कि यदि बार-बार शिकायत की गई, तो उन पर धारा 326 के तहत मामला दर्ज कर दिया जाएगा।

## नर्मदापुरम में मीनाक्षी चौराहे पर पार्किंग बनाने का कार्य शुरू : सौंदर्यीकरण के दूसरे चरण में बन रही पार्किंग

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम शहर के व्यस्ततम क्षेत्र मीनाक्षी चौक पर पार्किंग बनाने का कार्य शुरू हो गया है। मीनाक्षी चौराहे पर सौंदर्यीकरण के दूसरे चरण में नर्मदा कॉलेज रोड पर सुलभ कॉम्प्लेक्स के पीछे यहां पार्किंग बनाई जा रही है। पार्किंग बनने से लोगों को अपने वाहन खड़े करने में मदद मिलेगी। अभी सड़क किनारे वाहन खड़े होने लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता है। साथ ही कई बार इससे जाम की स्थिति भी निर्मित होती है। नगरपालिका द्वारा 49लाख रुपए की लागत से मीनाक्षी चौक का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। पहले चरण में दुकानों के पीछे कर सड़क का निर्माण किया गया। सड़क के बीच आ रहे बिजली के पोल 2 लाख 75 हजार 216 की लागत से शिफ्ट करने के साथ ही पेबल ब्लाक भी लगाए गए। अब पार्किंग का निर्माण कराया जा रहा।

**इंदौर के 56 की तरह तैयार कर रहे स्ट्रेक्चर:** चौराहे पर दुकानों को पीछे शिफ्ट किया गया है। अब चौराहे पर दुकानें एक समान दिखे, इसके लिए दुकानों के ऊपर एक स्ट्रेक्चर बनाया जा रहा है। इंदौर की 56 दुकानों की तर्ज पर नपा यह काम करवा रही है। नपा ने इससे पहले दुकानदारों को अपनी दुकानों को एक समान आकार में तैयार करने के लिए निर्देशित किया था। ऐसे में नया स्ट्रेक्चर तैयार होने से सभी दुकानें एक समान दिखाई देंगी। साथ ही दुकानों के नाम भी एक समान रूप से लिखे जाएंगे। इससे चौराहे की सुंदरता और बढ़ जाएगी।

**पार्किंग से जाम की परेशानी होगी खत्म:** नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव ने बताया मीनाक्षी चौराहे के सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है। दूसरे चरण में पार्किंग बनाने का कार्य शुरू कराया गया है। जिससे सभी एक जगह गाड़ियां खड़ी की जा सकेंगी। सभी दुकानों को एकरूपता में तैयार करने के लिए एक स्ट्रेक्चर भी बनाया गया है।

## सागर में देशी कट्टे से फायरिंग, युवक की मौत : आरोपी और मृतक एक गली के निवासी

**मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।** सागर में मोतीनगर थाना क्षेत्र के विवेकानंद वार्ड में गयादीन चौराहे पर गुरुवार देर रात गोली मारकर युवक की हत्या कर दी गई। गोली चलने की आवाज सुन आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घायल को भाग्योदय अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने चेकअप के बाद युवक को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। शुक्रवार सुबह से शव का पंचनामा बनाकर पुलिस पोस्टमार्टम करा रही है।

**देशी कट्टे से कनपटी पर फायर:** पुलिस के अनुसार, गुरुवार रात 10.30 से 11 बजे के बीच विवेकानंद वार्ड गयादीन तिराहा के पास मयंक साहू और यश सोनी के बीच विवाद हुआ। इसी दौरान यश सोनी ने 315 बोर का देशी कट्?टा निकाला और मयंक पर फायर कर दिया। गोली मयंक के चेहरे पर नाक के बाजू में लगी। जिससे वह गंभीर घायल हुआ। वारदात कर आरोपी मौके से फरार हो गया। मयंक को गंभीर हालत में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया गया। बताया जा रहा है कि यश ने मयंक के पास आकर काफी नजदीक से कनपटी पर गोली मारी थी। उसके साथ कुछ और बदमाश भी थे।

**संदिग्धों से पूछताछ कर रही पुलिस:** वारदात सामने आते ही एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा, मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। वारदात की जांच शुरू की गई। वारदातस्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों की पहचान हुई है। जिसके आधार पर पुलिस दबिश दे रही है। दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

**मृतक और आरोपी के बीच चल रहा था विवाद:** आरोपी यश सोनी के खिलाफ पूर्व में अड़ीबाजी, लूटपाट जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। उसका मृतक मयंक के साथ पुराना विवाद चल रहा था। दोनों एक ही गली के रहने वाले हैं। वर्चस्व की लड़ाई भी थी। इस मामले को यश सोनी के भाई जय सोनी की हत्या के मामले से भी जोड़ा जा रहा है। जय सोनी की हत्या एक साल पहले होली पर गणेश घाट पर की गई थी। हालांकि पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। पूछताछ के बाद ही हत्या की स्पष्ट वजह सामने आ सकेगी।

## इछावर में चार डिसमिल जमीन विवाद में चाकू-लाठी चले, तहसील के फैसले के बाद कब्जे को लेकर भिड़े दो पक्ष

**मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)।** सीहोर जिले के इछावर में शुक्रवार को 4 डिसमिल जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान लाठी-डंडे और चाकू चले, जिसमें दोनों पक्षों के कुल 6 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। यह विवाद एक कॉलोनी के पास स्थित 4 डिसमिल जमीन के कब्जे को लेकर है। बताया गया है कि इस जमीन का मामला कोर्ट तहसील में चल रहा था, जिस पर 30 अप्रैल को तहसीलदार ने रवि नामक व्यक्ति के पक्ष में फैसला सुनाया था। पहले कहासुनी, देखते ही देखते मारपीट शुक्रवार को इसी जमीन पर कब्जे को लेकर रवि और दूसरे पक्ष के लोग आमने-सामने आ गए।

# वृद्धा की मौत से गुस्साए लोगों ने किया चक्काजाम

### रतलाम में खेत में काम करने गई थी, मिला शव, आंखों व मुहं से निकला हुआ था ब्लड

**मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।** रतलाम जिले के जावरा के औद्योगिक थाना अंतर्गत ग्राम रेवास में पंचायत सचिव की 65 वर्षीय मां की गुरुवार को संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई थी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए शुक्रवार दोपहर पीएम के बाद रतलाम से शव लेकर रोजाना फटे के पास जावरा उज्जैन सड़क मार्ग के बीच रख चक्काजाम कर दिया। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। दो घंटे तक चक्काजाम रहा।

ग्राम रेवास निवासी तुलसीबाई (65) पति रतनलाल राठौर गुरुवार दोपहर 3 बजे पोते निलेश के खेत गई थीं। वे खेत की मेड़ पर घास काटने लगीं और पोता किसी काम से घर चला गया। शाम करीब 5 बजे निलेश फिर से खेत पर दादी तुलसीबाई को लेने गया तो उसने देखा कि मेड़ से नीचे तरफ वे मृत अवस्था में पड़ी थीं। उसने परिजन को सूचना दी। फिर बेटा अनोखीलाल राठौर, सागर राठौर और प्रहलाद तीनों तथा ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी।

**शव गांव ले गए फिर सड़क पर रखा:** रात में ही शव को रतलाम मेडिकल कॉलेज में पीएम के लिए लाया गया। शुक्रवार सुबह पीएम हुआ। दोपहर बाद शव लेकर गांव पहुंचे। इसके पहले ग्रामीणों व परिजनों ने जावरा-उज्जैन मार्ग के रोजाना फंटा पर चक्काजाम कर दिया। जावरा एसडीएम सुनील जायसवाल, सीएसपी युवराजसिंह चौहान, एसडीओपी संदीप मालवीय पहुंचे। पुलिस बल तैनात किया। दोपहर 4 बजे गांव से शव लेकर चक्काजाम स्थल पर लाकर रख दिया। आरोपियों को पकड़ने व घटना की जांच की मांग करने लगे। चक्काजाम के कारण वाहनों की लाइन लग गई। अधिकारियों ने 48 घंटे में जांच का आश्वासन दिया। इसके बाद शाम करीब 5 बजे परिजन व ग्रामीण माने। चक्काजाम खोला और शव लेकर रवाना हुए। चक्काजाम के दौरान गर्मी के कारण परिवार की महिलाएं भी बेसुध हो गई थीं, जिन्हें पानी पिलाया उसके बाद होश आया। रतलाम राठौर समाज जिलाध्यक्ष संजय चौहान ने बताया कि हमारी मांग है कि जिस तरह माताजी का शव मिला है, उससे अंदेशा है कि उनकी लूट के हिसाब से हत्या की है। पुलिस घटनाक्रम की जांच करे। 48 घंटे का समय दिया है।

#### आंखों व मुहं से निकला था ब्लड

वृद्धा की दोनों आंखों से और मुंह से ब्लड निकला हुआ था। एक पैर में चमड़ी छिलाने के निशान भी मिले। इस कारण परिजन ने हत्या की आशंका जताई थी। परिजनों का कहना था कि बदमाश कान से सोने की बाली ले गए तथा हत्या कर दी। हालांकि दोनों पैर में पायल और गले में मंगलसूत्र पहना था। परिजनों का कहना था कि लूट की नियत से हत्या कर दी और जब उन्होंने बदमाश को पहचान लिया होगा, इसलिए आंखें फोड़ दीं। रात में पुलिस व एफएसल टीम ने पहुंच कर जांच शुरू कर दी थी।

#### मृतिका का एक बेटा पंचायत सचिव

मृतका तुलसीबाई का बड़ा बेटा अनोखीलाल राजाखेड़ी ग्राम पंचायत में सचिव है। दूसरा बेटा सागर बड़ावदा में किराना दुकान संचालित करता है। जावरा सीएसपी युवराजसिंह चौहान ने बताया कि घटनाक्रम की जांच की ज रही है।

# बीयर की बोतल से किशोर पर जानलेवा हमला

### छतरपुर में नशे में धुत युवक ने आंख के ऊपर किया वार

**मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।** छतरपुर शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बृजपुरा गांव में शराब के नशे में धुत एक युवक ने 17 वर्षीय किशोर पर बीयर की कांच की बोतल से हमला कर दिया। इस हमले में किशोर की आंख के ऊपर गंभीर चोट आई है, जिसके चलते उसे आधा दर्जन टांके लगाने पड़े। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घायल को जिला अस्पताल में उपचार दिलाया गया है।

घायल किशोर की पहचान बृजपुरा गांव निवासी रोहन पटेल (पुत्र अशोक पटेल, उम्र 17 वर्ष) के रूप में हुई है। परिजनों और घायल के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार शाम करीब 5 बजे की है। रोहन के घर पर इन दिनों निर्माण कार्य चल रहा है। वह इसी दौरान गांव की ही एक दुकान से पेप्सी

लेने के लिए पैदल जा रहा था।

**नशे में धुत आरोपी ने की गाली-गलौज:** घायल किशोर के चाचा संदीप पटेल ने बताया कि रास्ते में रोहन का सामना गांव के ही रहने वाले आरोपी आजाद आदिवासी से हो गया। आरोपी शराब के नशे में बुरी तरह धुत था। उसने रोहन को रास्ते में रोक लिया और अकारण ही गाली-गलौज शुरू कर दी। जब किशोर ने इसका विरोध किया और वहां से बचने की कोशिश की, तो आरोपी भड़क गया।

**आंख के ऊपर आया गहरा घाव, लगे टांके:** गुस्साए आरोपी आजाद ने अपने हाथ में पकड़ी बीयर की कांच की बोतल सीधे रोहन के सिर पर दे मारी। हमले में बोतल फूट गई और कांच लगने से किशोर की आंख के ऊपर गहरा घाव हो गया। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे। डॉक्टरों के अनुसार, घाव गहरा होने के कारण किशोर को करीब आधा दर्जन टांके लगाए गए हैं।

**पुलिस ने शुरू की मामले की जांच:** घटना के बाद परिजनों ने घायल किशोर को लेकर सबसे पहले सिविल लाइन थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने उसे मेडिकल परीक्षण और उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। सिविल लाइन थाना पुलिस का कहना है कि परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। फरार आरोपी की तलाश कर जल्द ही आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

## केन नदी में डूबा 19 वर्षीय युवक, मौत छतरपुर में ग्रामीण बोले-अवैध रेत खनन से बने गहरे गड्ढे

**मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।** छतरपुर जिले की चंदला विधानसभा के गोयरा थाना क्षेत्र में केन नदी में डूबने से 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई। यह घटना गुरुवार को बारबंद में हुई। युवक नदी में नहाने गया था। स्थानीय लोगों ने अवैध रेत उत्खनन को इस हादसे का कारण बताया है। लोगों का कहना है रेत खनन से नदी में गहरे गड्ढे बन गए हैं।

**युवक को तैरना नहीं आता था:** मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के गिरवा थाना क्षेत्र के बहेरी गांव निवासी रोहित विश्वकर्मा (19) पुत्र मुन्नू विश्वकर्मा के रूप में हुई है। रोहित अपने परिजनों के साथ केन नदी में नहाने आया था। नहाते समय वह नदी के बीच बने एक गहरे गड्ढे में चला गया, जहां तैरना न आने के कारण उसकी डूबने से मौत हो गई। एसडीओपी नवीन दुबे ने बताया कि युवक का शव नदी से निकालकर चंदला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

**अवैध उत्खनन को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश:** स्थानीय लोगों के अनुसार, केन नदी में अवैध उत्खनन के कारण जगह-जगह 20 से 50 फीट तक गहरे गड्ढे बन गए हैं। नदी का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ गया है, जिससे कहीं पानी कम गहरा होता है तो कुछ कदम आगे ही अचानक गहराई बढ़ जाती है। यह स्थिति लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रही है।

## आबकारी विभाग ने 4.30 लाख की अवैध शराब जब्त की, अल्टो कार से 175 लीटर बरामद

**मीडिया ऑडीटर, बड़वाह (निप्र)।** बड़वाह में आबकारी विभाग ने अवैध शराब के परिवहन और बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए करीब 4 लाख 30 हजार रुपये की अवैध शराब और एक मारुति अल्टो कार जब्त की है। कार्रवाई कलेक्टर भव्या मित्तल के निर्देश पर सनावद और खरगोन वृत्त की टीमों ने की।

**कार से पकड़ी गई कच्ची शराब:** पहली कार्रवाई में आबकारी टीम ने मारुति अल्टो कार क्रमांक MP09CM9470 को रोककर तलाशी ली। कार से 175 बल्क लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई, जिसे मानव सेवन के लिए अनुपयुक्त बताया गया है। आबकारी नियंत्रण कक्ष को सूचना मिली थी कि मोरटक्का की ओर से एक कार बड़ी अली होते हुए टोक्सर की तरफ अवैध शराब लेकर जा रही है। सूचना के बाद टीम ने घेराबंदी कर वाहन को पकड़ा।

कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि मुख्य आरोपी पप्पू बोरासी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। जब्त शराब और कार की कुल कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई गई है।

**ढाबे पर भी मिली अवैध शराब:** दूसरी कार्रवाई खरगोन 'ब' वृत्त की टीम ने ग्राम बरूड स्थित महाकाल ढाबा पर की। सूचना थी कि ढाबे पर अवैध शराब रखकर बिक्री की जा रही है। दबिश के दौरान टीम ने 57 बल्क लीटर अवैध शराब बरामद की। आबकारी दल को देखकर ढाबा संचालक मौके से फरार हो गया। जब्त शराब की कीमत करीब 30 हजार रुपए आंकी गई है।

## नौतपा से पहले तप रहा नर्मदापुरम: हीट वेव का यलो अलर्ट

### धूप से बचने की सलाह, 40 डिग्री के पार तापमान

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम समेत मप्र इन दिनों गर्मी और धूप से तप रहा है। सुबह से ही झुलसाने वाली धूप पड़ रही है। जिससे हालत बिगड़ रहे है। फ़िलहाल जिले में अगले चार दिनों तक मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिख रहा है। वातावरण शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम वैज्ञानिकों ने 23 और 24 मई के लिए जिले में हीट वेव का यलो अलर्ट जारी किया है। जिससे धूप से बचने की सलाह दी गई है। पिछले तीन दिनों से जिले में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। गुरुवार को नर्मदापुरम में अधिकतम तापमान 40.4 डिग्री दर्ज हुआ। न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री रहा।

**पचमढ़ी में भी दोपहर में गर्मी से हालत बेहाल:** हिल स्टेशन पचमढ़ी में भी गर्मी अपने तेवर दिखा रही है। दोपहर में तापमान 36डिग्री के पार दर्ज हो रहा है। जिससे पचमढ़ी घूमने जाने वाले अधिकांश पर्यटक 12 से 3बजे तक होटलों में ही रह रहे। कुछ गर्मी से बचने बी फॉल, अप्सरा फॉल पहुंच ठंडे पानी में नहाकर गर्मी से राहत पा रहे है।

**हीट वेव और लू को लेकर स्वास्थ्य विभाग की एडवाइजरी:** भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर स्वास्थ्य विभाग ने संभावित जनहानि और स्वास्थ्य आपात स्थितियों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था करने और सार्वजनिक स्थानों पर पानी व छायादार विश्राम स्थल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं।

लोगों को अधिक पानी पीने, दोपहर 12 से 4 बजे तक धूप से बचने, हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने और सिर ढंकने के लिए जागरूक करने को कहा गया है।

# नीमच पासिंग कार से पकड़ी पंजाब की शराब, खेत के रास्ते लेकर जा रहा था ड्राइवर, पीछे किया तो कार छोड़ कर भागा

**मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)।** रतलाम में आबकारी विभाग ने नीमच पासिंग इनोवा कार से अवैध शराब पकड़ी है। कार चालक खेत के रास्ते से जा रहा था। गश्त के दौरान आबकारी की नजर कार पर पड़ी। पीछा किया तो ड्रायवर कार को खेत में छोड़ कर भाग गया। आबकारी की टीम कार को जब्त कर आबकारी कंट्रोल रूम लेकर आई। कार में से बीयर समेत प्लेन शराब की 86 पेटी जप्त की है।

सहायक जिला आबकारी अधिकारी प्रकाशचंद्र केरवार ने बताया शुक्रवार रात जिले के झर गांव में टीम गश्त कर रही थी। गश्ती के दौरान खेत के रास्ते पर इनोवा कार क्रमांक एमपी 44 बीसी 0889 संदिग्ध लगने पर रोकने की कोशिश की। लेकिन कार चालक ने कार को भगा ले गया। कार का पीछा किया तो

कच्चे रास्ते में खेत में कार को छोड़ भाग गया।

कार की तलाशी ली तो उसमें अवैध रूप से शराब की पेटी रखी थी। कार से निकाल कर गितनी की तो 38 पेटी प्लेन, 17 पेटी मसाला व 11 पेटी बीयर टर्बोंग की कैन मिली। शराब समेत कार को जप्त कर टीम दिलबहार चौराहे पर रात 11 बजे लेकर आई। रात कर शराब की कीमत की जानकारी टीम निकाल रही थी।

#### पंजाब की बीयर

कार्रवाई के दौरान जिस ब्रांड की बीयर मिली है, उसी ब्रांड की बीयर से भरा कंटेनर थाना औद्योगिक क्षेत्र ने फोरलेन से पकड़ा था। यह बीयर पंजाब की है। आबकारी को आशंका है कि शराब तस्कर पंजाब से शराब लाकर बेच रहे है। जिसकी जांच में आबकारी अधिकारी जुट गए है।

#### बाजना थाना पुलिस ने पकड़ी 12 लाख की शराब

आबकारी के साथ ही बाजना थाना पुलिस ने भी गांव मझोड़िया जंगल से बोलेरो में से 12.63 लाख की शराब पकड़ी है। बाजना थाना प्रभारी रविंद्र दंडोतिया ने बताया शुक्रवार दोपहर मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि गोविंद डिंडोर निवासी करबल खोरा अपनी बोलेरो वाहन क्रमांक MP43 सी 2471 में अवैध शराब भरकर राजस्थान की ओर से मझोड़िया क्षेत्र की तरफ आ रहा है। क्षेत्र में नाकाबंदी की गई।

नाकाबंदी के दौरान संदिग्ध बोलेरो वाहन पुलिस को देखकर चालक बोलेरो को जंगल की ओर भगा ले गया। पुलिस टीम द्वारा पीछा करने पर आरोपी बोलेरो को मझोड़िया जंगल में छोड़कर भाग गया।

# सचिन से तुलना कर अनावश्यक वैभव पर दबाव न बनायें : दिनेश कार्तिक

**मुम्बई, एजेंसी।** 15 के वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। ऐसे में कहा जाने लगा है कि वैभव भविष्य में दूसरे सचिन तेंदुलकर बनेंगे जिसे पूर्व क्रिकेटर दिनेश कार्तिक सही नहीं मानने। कार्तिक का कहना है कि इस प्रकार से किसी भी उभरते हुए खिलाड़ी पर दबाव नहीं बनाया जाना चाहिये। कार्तिक ने जोर देकर कहा है कि वैभव को अपने रास्ते पर चलने देना चाहिए और उन पर अनावश्यक तुलना का बोझ नहीं डालना चाहिए, क्योंकि इससे उनके करियर में बाधाएं आ सकती हैं।

गौरतलब है कि पिछले साल आईपीएल में पदार्पण के बाद से ही वैभव की चर्चा हर तरफ है। इस क्रिकेटर ने केवल 15 साल की उम्र में विश्व के दिग्गज गेंदबाजों पर भी बड़े शॉट लगाकर दिखा दिया कि वह किसी मामले में पीछे नहीं है। आईपीएल के मौजूदा सीज़न में वह लगातार ऑरेंज कैप की दौड़ में बने हुए हैं और सबसे अधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर चुके हैं। बाएं हाथ के इस ओपनर ने 13 मैचों में 579 रन बनाए हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 236.32 का रहा है, जिससे वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं।

वहीं कार्तिक अभी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाजी कोच और मेंटर हैं, ने इस तुलना पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, ÷जो वैभव कर रहा है, वह बहुत खास है, लेकिन मैं नहीं चाहता कि लोग उसे अगला सचिन कहें क्योंकि वह सिर्फ 15 साल का है। उसे वही करने दो जो वह कर रहा है। मुझे लगता है कि सचिन ने जो किया वह असाधारण था और उसकी तुलना किसी से नहीं की जा सकती।÷ कार्तिक ने यह भी स्पष्ट किया कि वैभव को अपने करियर में सचिन से बिल्कुल अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, ÷सचिन की चुनौतियां मैदान के अंदर जितनी थीं, उतनी ही मैदान के बाहर भी थीं। वैभव की चुनौतियां निश्चित रूप से मैदान के बाहर ज्यादा होंगी, क्योंकि उसके पास क्रिकेट की बहुत सारी स्किल्स हैं। खेल के बाहर जो कुछ भी आता है, उससे भी सफलतापूर्वक निपटना जरूरी है।÷

कार्तिक ने आईपीएल के 2008 में शुरू होने के बाद से आए व्यापक बदलावों पर भी प्रकाश डाला। उनके अनुसार, यह टूर्नामेंट पूरी तरह बदल चुका है और ऐसा लगता है जैसे खेल बहुत तेजी से आगे बढ़ा है। उन्होंने डेटा और मैट्रिक्स के अत्यधिक प्रभावी उपयोग का उल्लेख करते हुए बताया कि आईपीएल अब तक का सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्रिकेट फॉर्मेट है। कार्तिक ने जोर दिया कि यह अब बहुत से लोगों के लिए एक लाइफस्टाइल प्रोवाइडर बन गया है और किसी भी युवा लड़के या लड़की के लिए एक मजबूत करियर विकल्प के तौर पर उभरा है, जो बहुत कम समय में दुनिया के अन्य बड़े खेल टूर्नामेंट्स को भी कड़ी टक्कर दे रहा है। यह बदलता परिदृश्य ही युवा खिलाड़ियों जैसे वैभव के लिए अतिरिक्त बाहरी दबाव और चुनौतियों को जन्म देता है, जिससे उन्हें सावधानी से निपटना होगा।

## इतिहास : सर डॉन ब्रैडमैन ने एक दिन में जड़ दिए थे 309 रन

### 96 साल पुराना वो रिकॉर्ड, जिसे आज तक नहीं तोड़ पाया कोई बल्लेबाज

**नई दिल्ली, एजेंसी ।** क्रिकेट के इतिहास में कई रिकॉर्ड बनते और टूटते रहे हैं, लेकिन कुछ उपलब्धियां ऐसी होती हैं जो दशकों बाद भी अटूट बनी रहती हैं। ऐसा ही एक हैरतअंगेज रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डॉन ब्रैडमैन के नाम दर्ज है, जिन्होंने आज से 96 साल पहले टेस्ट क्रिकेट में ऐसा कारनामा किया था, जिसे आधुनिक दौर के विस्फोटक बल्लेबाज भी नहीं दोहरा सके हैं। ब्रैडमैन ने एक ही दिन के खेल में 309 रन बनाकर क्रिकेट जगत को स्तब्ध कर दिया था और उनका यह रिकॉर्ड आज भी कायम है।

यह ऐतिहासिक उपलब्धि साल 1930 में इंग्लैंड दौरे के दौरान देखने को मिली थी। लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के पहले दिन ब्रैडमैन ने इंग्लिश गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। उन्होंने पूरे दिन आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 309 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में आज तक कोई भी बल्लेबाज एक ही दिन में तिहरा शतक नहीं लगा पाया है। बाद में ब्रैडमैन ने अपनी पारी को 334 रन तक पहुंचाया, जो उस दौर में किसी चमत्कार से कम नहीं माना गया। ब्रैडमैन का नाम इस सूची में दो बार शामिल है। उन्होंने 1934 में भी इंग्लैंड के खिलाफ एक दिन में 271 रन बनाए थे। वहीं इंग्लैंड के डब्ल्यू आर हैमंड ने 1933 में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक दिन में 295 रन बनाए थे। भारत की ओर से इस खास सूची में वीरेंद्र सहवाग का नाम दर्ज है। सहवाग ने 2009 में मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ पहले ही दिन नाबाद 284 रन ठोक दिए थे। हालांकि वह भी ब्रैडमैन के रिकॉर्ड तक नहीं पहुंच सके।

आधुनिक क्रिकेट में बल्लेबाजी का अंदाज पूरी तरह बदल चुका है। टी20 और वनडे क्रिकेट के प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट में भी तेजी से रन बनने लगे हैं। इंग्लैंड की 'बैजबॉल' रणनीति ने बल्लेबाजों को खुलकर खेलने की आजादी दी है। इसके बावजूद एक दिन में 309 रन बनाना आज भी बेहद मुश्किल माना जाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत के यशस्वी जायसवाल, इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड जैसे आक्रामक बल्लेबाज भविष्य में इस रिकॉर्ड को चुनौती दे सकते हैं। फिर भी सर डॉन ब्रैडमैन का यह ऐतिहासिक कारनामा क्रिकेट इतिहास की सबसे महान उपलब्धियों में गिना जाता है और इसे तोड़ना आज भी लगभग नामुमकिन माना जाता है।

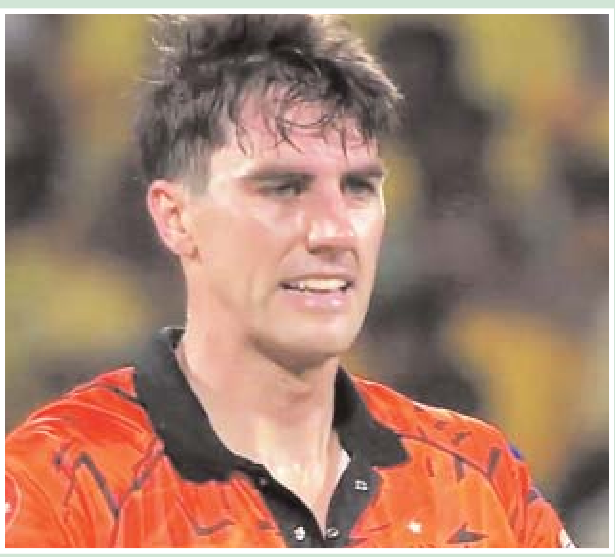

## ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए प्रतिबद्ध हूं: कमिंस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आजकल सनराइजर्स हैदराबाद की कप्तानी कर रहे ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर पैट कमिंस ने कहा है कि अगले कुछ साल तक उनकी पहली प्राथमिकता ऑस्ट्रेलियाई टीम से खेलना ही रहेगा। कमिंस का ये बयान तब आया है जब खेल जगत में इस बात की बहस चल रही है कि ऑस्ट्रेलिया के कुछ शीर्ष खिलाड़ी आईपीएल के अलावा अन्य आकर्षक फ्रेंचाइजी लीगों के लिए राष्ट्रीय टीम की उपेक्षा कर रहे हैं।

वहीं कमिंस ने अपने बयान से साफ कर दिया है कि उनकी प्रतिबद्धता ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ी हुई है हालांकि वह आईपीएल प्लेऑफ को देखते हुए आगामी पाकिस्तान और बांग्लादेश के दौरों से बाहर रहने वाले हैं। वह इसके अलावा अन्य सब मुकाबलों में खेलेंगे। अगस्त 2026 से अगस्त 2027 के बीच होने वाले संभावित 20 से 21 टेस्ट मैचों, जिनमें भारत में प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और इंग्लैंड में एशेज सीरीज जैसे महत्वपूर्ण मुकाबले शामिल इसमें वह शामिल रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और बिग बैश लीग (बीबीएल) दोनों के प्रति प्रतिबद्धता का मुद्दा हाल के समय में छाया रहा है। कुछ समय पहले, पांच अनुभवी खिलाड़ी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती अनुबंध प्रस्तावों से हटकर लीग क्रिकेट खेलने लगे थे जिससे बोर्ड और खिलाड़ियों के बीच मतभेदों भी सामने आ गये।

मार्च महीने में कमिंस खुद निशाने पर थे जब उन्होंने खिलाड़ियों के बीच एक तनाव होने की बात कही थी। यह तनाव अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट खेलने की राष्ट्रीय जिम्मेदारी और उसी समय इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग में खेलकर लगभग 6.75 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 4.85 लाख अमेरिकी डॉलर) कमाने के अवसर को छोड़ने के बीच की दुविधा को बताता था। वहीं अब एक कार्यक्रम में कमिंस ने अपनी स्थिति को और स्पष्ट करते हुए कहा कि निकट भविष्य के लिए ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के प्रति वह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने से कहा, मेरे लिए कुछ नहीं बदला है। मेरी पहली प्राथमिकता ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट है, खासकर टेस्ट क्रिकेट। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान के तौर पर, उन्होंने आगे कहा, मैं कोई भी टेस्ट नहीं छोड़ता। मैं चाहता हूं कि जितने ज़्यादा ऑस्ट्रेलियाई मैच खेल सकूं, उनके लिए अपने को उपलब्ध रखना चाहता हूं। आईपीएल को लेकर उन्होंने कहा कि यह अच्छी है क्योंकि यह आमतौर पर हमारी छुट्टियों के दौरान होती है ।

## कार्तिक ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया : रैना

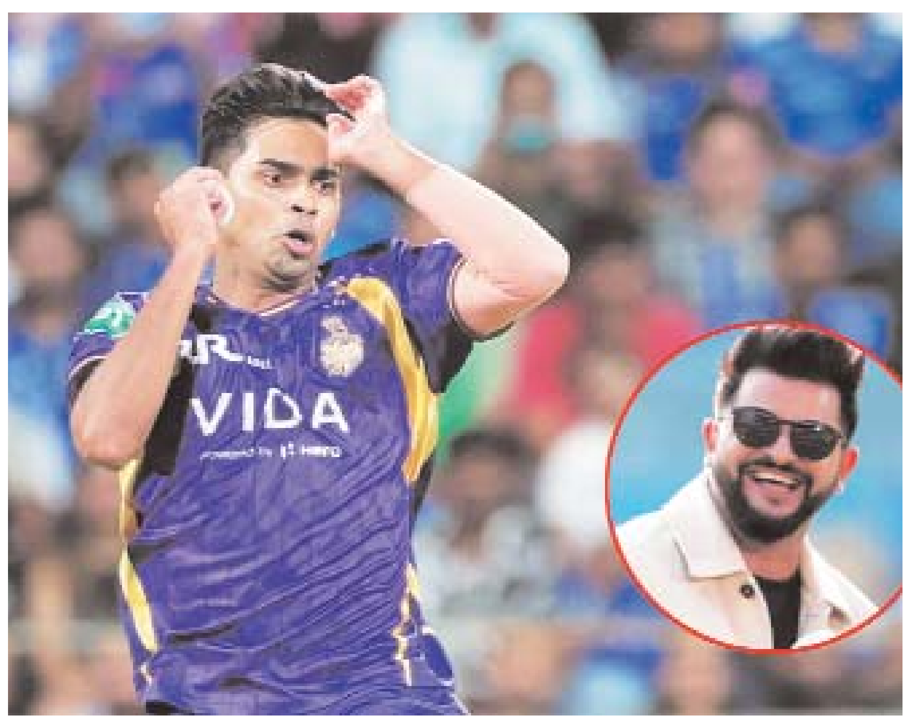


**मुम्बई, एजेंसी।** भारतीय टीम के पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेल रहे गेंदबाज कार्तिक त्यागी की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उसने इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी को प्रभावित किया है। रैना ने कहा कि इस गेंदबाज को पिछली बार किसी ने भी नहीं खरीदा था ऐसे में देखा जाये तो इस बार उसकी वापसी धमाकेदार रही। उनके मुताबिक, लीग से बाहर रहने के इस समय का इस गेंदबाज ने सही तरीके से उपयोग किया। इस दौरान उन्होंने खेल के मैदान से दूर रहकर अपने शरीर और मन दोनों पर काम किया। उन्होंने अपनी फिटनेस पर गहन काम किया, पुरानी चोटों से उबरने के लिए समर्पित रहे और अपने खेल को फिर से धार दी। रैना के अनुसार, 2025 की नीलामी में न बिकना उनके लिए एक ब्रेक का अवसर बन गया, जिसने उन्हें अपने शरीर और फॉर्म को पूरी तरह से बेहतर बनाने में मदद की।

इस सीजन में कार्तिक के प्रदर्शन में आया बदलाव वाकई असाधारण रहा है। उन्होंने 13 मैचों में 18 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में उनके बेहद कम मैचों में खेलने और सीमित सफलता हासिल करने के बिल्कुल उलट है। रैना ने कहा, कार्तिक निश्चित रूप से इस आईपीएल सत्र की वापसी की कहानी हैं। उन्होंने अपनी फिटनेस पर बहुत मेहनत की है और उसका उन्हें सीधा फायदा मिला है।

रैना ने कहा, 2022 में उन्होंने केवल दो मैच खेले और एक विकेट लिया, 2023 में तीन मैच खेलकर एक विकेट लिया और 2024 में तो वे सिर्फ एक मैच ही खेल पाए थे। 2025 की नीलामी में किसी ने उन्हें नहीं खरीदा। वहीं इस सीजन में, उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 13 मैच खेले हैं और 18 विकेट लिए हैं। उन्होंने आगे उम्मीद जताई कि इस गेंदबाज के लिए आगे भी कई और सफल सीजन आएंगे। रैना का मानना है कि अगर वह अपनी फिटनेस और फॉर्म को बनाए रखते हैं, तो उन्हें भारत के लिए खेलने से कोई नहीं रोक सकता।

## शुभमन ने तीसरी बार आईपीएल में 600 से अधिक रनों के साथ बनाया रिकार्ड

**अहमदाबाद, एजेंसी।** गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए शुभमन गिल ने आईपीएल के इस सत्र में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 600 से अधिक रन बनाये हैं। इस प्रकार वह तीन बार इस टूर्नामेंट में ये अहम उपलब्धि हासिल करने वाले कप्तानों की सूची में नंबर एक पर पहुंच गये हैं। शुभमन ने अपने करियर में तीसरी बार और कप्तान के रूप में दूसरी बार यह 600 से अधिक रन किसी एक सत्र में बनाये। इसी के साथ ही शुभमन आईपीएल इतिहास में चौथे ऐसे कप्तान बने हैं जिन्होंने एक सत्र में 600 से ज्यादा रन बनाये हैं। इससे पहले विराट ने 2025 सत्र में 600 से अधिक रन बनाये थे। वहीं शुभमन ने करियर में तीसरी बार 600 से अधिक रन बनाये हैं। इससे पहले उन्होंने 2023 में 890 रन बनाए थे, जो एक सत्र में किसी खिलाड़ी द्वारा बनाये दूसरे सबसे ज्यादा रन है।

इस शानदार उपलब्धि के साथ ही शुभमन कप्तान के रूप में एक से अधिक बार 600 से अधिक रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरीसबी) के विराट कोहली ने साल 2013 में एक बार उपलब्धि हासिल की थी।

## विजय शंकर ने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल से लिया संन्यास

### विदेशी लीग में खेलेंगे क्रिकेट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर विजय शंकर ने शुक्रवार को घरेलू क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास लेने की घोषणा कर दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने फैसले की जानकारी दी। विजय शंकर ने कहा कि वह अब नए अवसरों की तलाश करना चाहते हैं और अधिक क्रिकेट खेलने के उद्देश्य से यह कदम उठा रहे हैं। उनके इस फैसले के बाद अब विदेशी टी-20 लीग्स में खेलने का रास्ता पूरी तरह खुल गया है। '3डी प्लेयर' के नाम से मशहूर विजय शंकर ने वर्ष 2018 में भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने भारत के लिए 12 वनडे और 9 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। अपने करियर के दौरान उन्होंने बल्लेबाजी, मध्यम गति की गेंदबाजी और शानदार फील्डिंग से पहचान बनाई। इसी बहुमुखी प्रदर्शन के कारण उन्हें '3डी प्लेयर' कहा जाने लगा था।

अपने संन्यास संदेश में विजय शंकर ने लिखा कि क्रिकेट उनके जीवन का सबसे अहम हिस्सा रहा है। उन्होंने बताया कि 10 साल की उम्र से क्रिकेट खेलना शुरू करने के बाद उन्हें हर स्तर पर खेलने और देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, जो उनके लिए सबसे गर्व और खुशी के पल रहे। उन्होंने अपने समर्थकों, कोचों और टीम साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग के बिना यह सफर संभव नहीं था। विजय शंकर ने इंडियन प्रीमियर लीग में कई फ्रेंचाइजी टीमों का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने खास तौर पर चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए अपनी उपयोगिता साबित की। भारतीय टीम में उन्हें एक भरोसेमंद ऑलराउंडर के रूप में देखा जाता था और वह विश्व कप टीम का भी हिस्सा रहे।

## गुजरात की सफलता में सिराज और रबाडा की अहम भूमिका रही : बांगड़

**अहमदाबाद, एजेंसी।** पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि आईपीएल के इस 19 वें सत्र में गुजरात टाइटंस की सफलता में तेज गेंदबाजों मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा की अहम भूमिका रही है। ये दोनों गेंदबाज इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में शामिल हैं। बांगड़ ने कहा कि इस तेज गेंदबाजी जोड़ी ने टीम की इस सत्र में सफलता की नींव रखी है। उन्होंने बताया कि इनकी अच्छी शुरुआती सफलताओं के कारण ही राशिद खान जैसे स्पिनर को बीच के ओवरों में अधिक आजादी के साथ गेंदबाजी करने का मौका मिला। बांगड़ ने कहा, मोहम्मद सिराज और कगिसो रबाडा ने इस सीजन में गुजरात टाइटंस के लिए बहुत ही शानदार माहौल तैयार किया है। शुरुआत में लंबे स्पेल डालने से उन्हें लगातार फील्ड या छोर बदलने की जरूरत के बिना लगातार आक्रमण करने का मौका मिला है। शुरुआती विकेट लेने की उनकी काबिलियत ने बाकी गेंदबाजी ईकाई के लिए एक बेहतरीन मंच तैयार किया है।

## आकिब नबी को टीम इंडिया में मौका नहीं मिलने पर भड़के दिलीप वेंगसरकर

### चयनकर्ताओं पर उठाए सवाल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बावजूद जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिलने से नया विवाद खड़ा हो गया है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में अपनी घातक स्विंग गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने वाले आकिब को अगले महीने अफगानिस्तान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए नजरअंदाज कर दिया गया। चयनकर्ताओं के इस फैसले पर पूर्व भारतीय कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे पूरी तरह अन्यायपूर्ण बताया है। आकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में 10 मैचों में 12.56 की बेहतरीन औसत से 60 विकेट झटके। उनके दमदार प्रदर्शन की

बदौलत जम्मू-कश्मीर ने पहली बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता। पूरे टूर्नामेंट में आकिब ने कई मैच जिताऊ स्पेल डाले। फाइनल में कर्नाटक के खिलाफ उन्होंने पहली पारी में पांच विकेट हासिल किए, जबकि सेमीफाइनल और क्वार्टर फाइनल में भी उनकी गेंदबाजी ने टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी चुना गया।

आकिब को मौका नहीं मिलने पर दिलीप वेंगसरकर ने चयन समिति और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि घरेलू क्रिकेट में लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी को नजरअंदाज करना समझ से परे है। वेंगसरकर ने कहा कि यदि घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन को महत्व नहीं दिया जाएगा, तो फिर घरेलू टूर्नामेंट आयोजित करने का क्या मतलब रह जाता है। पूर्व चयनकर्ता ने यह भी कहा कि किसी गेंदबाज का चयन केवल उसकी गति के आधार पर नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार, सबसे महत्वपूर्ण बात विकेट लेने की क्षमता होती है और आकिब ने लगातार यह साबित किया है कि वह विकेट निकालने में माहिर हैं। उन्होंने कहा कि नियमित तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिए जाने के कारण यह आकिब को मौका देने का आदर्श समय था।

हालांकि, चयनकर्ताओं ने आकिब की जगह पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को टीम में शामिल किया है। गुरनूर आईपीएल में गुजरात टाइटंस का हिस्सा हैं और उन्होंने इंडिया-ए तथा घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। चयन समिति से जुड़े सूत्रों का कहना है कि केवल आंकड़ों के आधार पर टीम का चयन नहीं किया जा सकता। फिलहाल आकिब नबी को टीम में शामिल नहीं किए जाने का मुद्दा भारतीय क्रिकेट में चर्चा का बड़ा विषय बना हुआ है और कई पूर्व खिलाड़ी चयन प्रक्रिया पर सवाल उठा रहे हैं।

# मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्व. दादा असीम बनर्जी को दी श्रद्धांजलि

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने शनिवार को सतना पहुंचकर वरिष्ठ समाजसेवी उत्तम बनर्जी के पिता स्वर्गीय दादा असीम बनर्जी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने दिवंगत के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिवार से मिलकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वर्गीय दादा असीम बनर्जी समाज सेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित व्यक्तित्व थे। उनका जीवन सादगी, सेवा और सामाजिक समरसता का उदाहरण रहा है। उन्होंने कहा कि दादा असीम बनर्जी ने अपने व्यवहार और कार्यों से समाज में सम्मानजनक पहचान बनाई थी तथा उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा प्रदेश उनके साथ खड़ा है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की कामना की इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री Pratima Bagri, सतना सांसद Ganesh Singh, खजुराहो सांसद V. D. Sharma, सतना महापौर Yogesh Tamrakar तथा भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय दादा असीम बनर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की श्रद्धांजलि सभा के दौरान बड़ी संख्या में समाजसेवी, स्थानीय नागरिक और समर्थक मौजूद रहे सभी ने दिवंगत के जीवन और समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की वातावरण भावुक और शोकमय बना रहा गौरतलब है कि स्वर्गीय दादा असीम बनर्जी सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए जाने जाते थे वे लंबे समय से समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों से जुड़े हुए थे उनके निधन की खबर से सतना सहित पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

## पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आत्मीय स्वागत

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री प्रवास पर सतना पहुंचे, जहां जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री रीवा से हेलीकॉप्टर द्वारा सतना एयरपोर्ट पहुंचे। उनके साथ खजुराहो सांसद V. D. Sharma तथा सतना सांसद Ganesh Singh भी मौजूद रहे सतना एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर विशेष तैयारियां की गई थीं। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री Pratima Bagri, चित्रकूट विधायक सुरेन्द्र सिंह गहरवार सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल दिखाई दिया कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती प्रसाद पाण्डेय, नगर निगम स्पीकर राजेश चतुर्वेदी, विंध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संजय तीर्थवानी, पूर्व विधायक ऊषा चौधरी तथा विंध्य चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों में कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने सतना प्रवास के दौरान विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों में भाग लिया। उन्होंने कई स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से मुलाकात भी की प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय विकास और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर चर्चा की इसके बाद मुख्यमंत्री कामता टोला से बायपास मार्ग होते हुए एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। इस दौरान डेलौरा मोड़ पर बड़ी संख्या में उपस्थित लाडली बहनों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया महिलाओं ने पुष्प वर्षा कर उनका अभिनंदन किया, वहीं मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर पूरे शहर में उत्साह का वातावरण बना रहा और स्थानीय नागरिकों में विशेष उत्सुकता देखने को मिली है।

# नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों के सम्मान से गूंजा जिला कांग्रेस कार्यालय, संगठन को मजबूत करने का संकल्प

**मीडिया ऑडीटर, मैहर( निप्र )।** जिला कांग्रेस कार्यालय मैहर में शुक्रवार को एक गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मैहर विधानसभा क्षेत्र के नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का सम्मान एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह संपन्न हुआ कार्यक्रम में जिला कांग्रेस प्रभारी गुरमीत सिंह मंगू भैया एवं विधानसभा प्रभारी डॉ. रश्मि सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहीं समारोह के दौरान संगठनात्मक एकता कार्यकर्ताओं के सम्मान और आगामी राजनीतिक रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए। पूरे कार्यक्रम के दौरान जिला कांग्रेस कार्यालय में उत्साह जोश और संगठनात्मक ऊर्जा का माहौल बना रहा इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई ने कहा कि कांग्रेस संगठन की वास्तविक शक्ति बूथ और मंडल स्तर के कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष संगठन की रीढ़ हैं और उनकी भूमिका पार्टी की विचारधारा को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाने में अत्यंत महत्वपूर्ण होगी उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। जनता की समस्याओं को उठाना और जनहित के मुद्दों को मजबूती से प्रस्तुत करना संगठन की प्राथमिकता होनी चाहिए। संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत है जिला प्रभारी गुरमीत सिंह मंगू भैया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा कार्यकर्ताओं के सम्मान और समर्पण को प्राथमिकता देती है। उन्होंने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों से अपील की कि वे पार्टी की नीतियों और जनहितकारी विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाएं विधानसभा प्रभारी डॉ. रश्मि सिंह ने कहा कि कांग्रेस केवल राजनीतिक संगठन नहीं बल्कि जनभावनाओं का परिवार है उन्होंने कहा कि महिला शक्ति और युवाओं की भूमिका संगठन में अत्यंत महत्वपूर्ण है कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे अंत में सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों ने संगठन को मजबूत करने और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया समारोह के समापन पर पूरे वातावरण में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार देखा गया।

## त्याग, समर्पण और निरहंकारिता ही श्रेष्ठ जीवन की पहचान : पं. अशोक वाजपेई

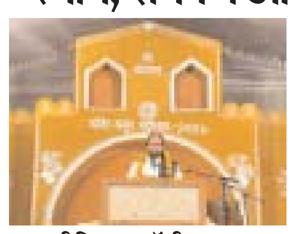

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** श्री संतधाम आश्रम में महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के सानिध्य में आयोजित भक्ति अमृत महोत्सव के अंतर्गत शनिवार को आध्यात्मिक प्रवचनों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिल्ली से पधारे प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित अशोक वाजपेई ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि त्याग, समर्पण और निरहंकारिता ही श्रेष्ठ जीवन की वास्तविक उपलब्धि है।

अपने प्रवचन में पं. अशोक वाजपेई ने रामायण प्रसंगों के माध्यम से भक्ति और संत जीवन की महत्ता को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने कहा कि भटके हुए जीव को भगवान राम से मिलाना ही सच्चे संत का कार्य है। संसार के विषय-विकारों और भोग-विलास में फंसा मनुष्य ईश्वर को भूल जाता है, तब हनुमान और लक्ष्मण जैसे संत उसे पुनः ईश्वर की शरण में लाने का कार्य करते हैं उन्होंने कहा कि संतों का जीवन केवल प्रभु कार्य के लिए समर्पित होता है। 'राम काज कीन्हें बिनु मोहि कहां विश्राम' की भावना को जीवन में उतारना ही सच्ची साधना है। उन्होंने श्री हनुमान की लंका यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि भक्ति के मार्ग में अनेक बाधाएं आती हैं लेकिन सच्चा साधक सभी कठिनाइयों को पार कर ईश्वर भक्ति तक पहुंच ही जाता है पं. वाजपेई ने कहा कि जीवन के सभी कर्म यदि ईश्वर को समर्पित भाव से किए जाएं, तो वही सच्ची भक्ति बन जाते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपने जीवन में सेवा, समर्पण और आध्यात्मिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया आश्रम के ओमप्रकाश उदासीन एवं विनोद गेलानी ने बताया कि भक्ति अमृत महोत्सव के अंतर्गत रविवार 24 मई को प्रातः 6 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही श्रीमद् भागवत महापुराण का मूल पाठ प्रारंभ होगा। शाम 6 बजे विशाल आरती का आयोजन किया जाएगा, जिसके बाद वृंदावन से पधारे कथा व्यास संजीव कुमार ठाकुर द्वारा श्रीमद् भागवत कथा का वाचन किया जाएगा महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण बना हुआ है तथा बड़ी संख्या में भक्तजन कार्यक्रम में शामिल हो रहे हैं।

## मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चित्रकूट विकास प्राधिकरण अध्यक्ष से की औपचारिक भेंट

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री ने अपने सतना प्रवास के दौरान चित्रकूट विकास प्राधिकरण के नव नियुक्त अध्यक्ष विजयपाल यादव से उनके डालीबाबा चौक, कामता टोला स्थित निवास पर पहुंचकर औपचारिक भेंट की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर विजयपाल यादव की पूज्य माता स्वर्गीय मूर्ति देवी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय मूर्ति देवी का 20 मार्च 2026 को निधन हो गया था। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं मुख्यमंत्री ने परिजनों से आत्मीय मुलाकात करते हुए उन्हें ढांढस बंधाया और कहा कि माता-पिता का स्नेह एवं आशीर्वाद जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होती है उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मूर्ति देवी का जीवन सादगी संस्कार और पारिवारिक मूल्यों से परिपूर्ण था जिनकी स्मृतियां सदैव परिवार को प्रेरणा देती रहेंगी इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री Pratima Bagri, सतना सांसद Ganesh Singh, खजुराहो सांसद V. D. Sharma सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय मूर्ति देवी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की मुख्यमंत्री के आगमन पर स्थानीय नागरिकों और समर्थकों ने उनका स्वागत किया। मुलाकात के दौरान क्षेत्रीय विकास और सामाजिक विषयों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। कार्यक्रम का वातावरण आत्मीय एवं श्रद्धामय बना रहा।

# कटरा बाजार में खुलेआम तम्बाकू बिक्री से बढ़ा आक्रोश, कार्रवाई की मांग तेज

**मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)।** जिले के व्यस्ततम कटरा बाजार क्षेत्र में खुलेआम तम्बाकू उत्पादों की बिक्री को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। लोगों का आरोप है कि बाजार के बीचों-बीच खुले में स्टॉल लगाकर तम्बाकू उत्पाद बेचे जा रहे हैं जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और तम्बाकू नियंत्रण नियमों की अनदेखी हो रही है स्थानीय नागरिकों के अनुसार कटरा बाजार में संचालित तम्बाकू स्टॉल पर उत्पादों को खुले में इस तरह रखा जाता है मानो सब्जी मंडी में आलू-प्याज की बिक्री हो रही हो लोगों का कहना है कि तम्बाकू के कण हवा में फैलकर आसपास मौजूद दुकानदारों, राहगीरों और ग्राहकों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने आशंका जताई है कि लंबे समय तक ऐसे वातावरण में रहने से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है नागरिकों ने बताया कि संबंधित स्टॉल के समीप जैन मंदिर स्थित हैवहीं आसपास स्कूल-कॉलेज भी हैं जहां छात्र-छात्राओं और नाबालिग बच्चों का लगातार आवागमन बना रहता है। आरोप है कि खुलेआम बिक्री होने के कारण कम उम्र के बच्चे भी आसानी से तम्बाकू उत्पाद खरीद पा रहे हैं जिससे अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है स्थानीय लोगों द्वारा प्रशासन को सौंपे गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि भारत सरकार की गजट अधिसूचना तथा तम्बाकू नियंत्रण नियमों के तहत खुले में तम्बाकू उत्पादों के प्रदर्शन और बिक्री को नियंत्रित करने के स्पष्ट प्रावधान हैं। साथ ही विक्रय स्थल पर 'तम्बाकू सेवन से कैंसर होता है' जैसी चेतावनी पट्टिका लगाना भी अनिवार्य है।

लोगों का आरोप है कि संबंधित विक्रेता द्वारा इन नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि जनहित और सार्वजनिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कटरा बाजार में खुलेआम हो रही तम्बाकू बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए। नागरिकों ने संबंधित विक्रेता के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने और बाजार क्षेत्र में नियमित निगरानी बढ़ाने की भी मांग की है स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह समस्या आने वाले समय में और गंभीर रूप ले सकती है।

## सरकारी नौकरी के बावजूद ले रहीं लाड़ली बहना का पैसा

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** मध्य प्रदेश सरकार की लाड़ली बहना योजना में अनियमितता का बड़ा मामला सामने आया है सतना जिले में 27 ऐसी महिलाओं की पहचान हुई है जो शासकीय सेवा में होने के बावजूद इस योजना के तहत हर महीने 1,500 रुपए का लाभ ले रही हैं ट्रेजरी से वेतन भुगतान के दौरान समग्र आईडी लिंक होने पर इसका खुलासा हुआ है प्रशासन ने सभी मामलों की जांच शुरू कर दी है और अपात्र पाए जाने पर इनसे राशि वसूली की जाएगी जिले में चिह्नित की गई 27 महिलाओं में से 16 नगर निगम क्षेत्र की कर्मचारी हैं ये महिलाएं एक तरफ ट्रेजरी से अपना मासिक सरकारी वेतन प्राप्त कर रही हैं।

# बराखुर्द पंचायत की महिलाओं की पुकार : शिकायतों के बाद भी कार्रवाई न होने से बढ़ा आक्रोश

**मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)।** मैहर तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बराखुर्द में कथित अनियमितताओं और लापरवाही को लेकर ग्रामीण महिलाओं में गहरी नाराजगी देखने को मिल रही है। कलेक्टर की जनसुनवाई में अपनी शिकायत लेकर पहुंची महिलाओं को अब 15 दिन बीत जाने के बाद भी किसी निष्पक्ष जांच या ठोस कार्रवाई का इंतजार है जिससे उनका भरोसा कमजोर पड़ता नजर आ रहा है जानकारी के अनुसार बड़ी संख्या में महिलाएं जनसुनवाई में इस उम्मीद के साथ पहुंची थीं कि पंचायत स्तर पर हो रही कथित गड़बड़ियों पर जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाएगी महिलाओं ने अपनी शिकायतों में निर्माण कार्यों में अनियमितता अधूरे कार्य और शासकीय राशि के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। ग्रामीणों का कहना है कि जनसुनवाई के बाद भी अब तक कोई स्पष्ट जांच प्रक्रिया सामने नहीं आई है इस स्थिति ने गांव में असंतोष और आक्रोश को बढ़ा दिया है महिलाएं सवाल उठा रही हैं कि जब जिला स्तर की जनसुनवाई में पहुंचने के बाद भी समाधान नहीं मिलता, तो आम जनता न्याय के लिए आखिर कहां जाए सूत्रों के अनुसार पंचायत सचिव के बचाव को लेकर जनपद स्तर पर सक्रियता की चर्चा भी क्षेत्र में बनी हुई है। हालांकि इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन ग्रामीणों के बीच यह विषय लगातार चर्चा का केंद्र बना हुआ है महिलाओं का कहना है कि उन्होंने पूरी उम्मीद के साथ प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखी थी, लेकिन अब वे खुद को उपेक्षित महसूस कर रही हैं उनका आरोप है कि शिकायतों को गंभीरता से लेने के बजाय मामले को टालने की कोशिश की जा रही है बराखुर्द पंचायत पहले भी विकास कार्यों और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर सुर्खियों में रही है ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते निष्पक्ष जांच नहीं की गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है अब गांव की महिलाओं और स्थानीय नागरिकों की एक ही मांग है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाई जाए और दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि जनता का प्रशासन पर विश्वास कायम रह सके।

## मां शारदा मंदिर समिति में दलाली का ऑडियो वायरल, सदस्य सचिन मिश्रा पर 1 लाख मांगने के आरोप

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** धार्मिक नगरी मैहर स्थित मां शारदा देवी मंदिर समिति एक बार फिर गंभीर विवादों के केंद्र में आ गई है। मंदिर समिति के सदस्य सचिन मिश्रा पर यात्री निवास नंबर-1 के ठेके के नाम पर कथित रूप से ?1 लाख की मांग करने के आरोप सामने आए हैं। इस पूरे मामले से जुड़ा एक ऑडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद हड़कंप मच गया है सूत्रों के अनुसार, शिकायतकर्ता की शिकायत और वायरल ऑडियो के आधार पर मंदिर समिति की प्रशासक दिव्या पटेल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित सदस्य को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। बताया जा रहा है कि ऑडियो में ठेका दिलाने और नियमों के विपरीत कार्य कराने को लेकर कथित बातचीत सुनाई दे रही है जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों में नाराजगी बढ़ गई है स्थानीय लोगों का कहना है कि मां शारदा मंदिर जैसी आस्था की संस्था में इस तरह के आरोप गंभीर चिंता का विषय हैं। नागरिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है फिलहाल यह प्रकरण मैहर में चर्चा का विषय बना हुआ है और प्रशासन की आगे की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।